# द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.)

## क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम

## शैक्षणिक सत्र **2024-2026** से लागू

## M.Ed Two Years Credit Based Curriculum

## (As per NCTE-2014, Regulation and NEP-2020)


शिक्षापीठ

श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

कुतुब सांस्थानिक क्षेत्र, नई दिल्ली–110016

# द्विवर्षीय शिक्षाचार्य ( एम. एड. ) पाठ्यक्रम

## प्रोग्राम अधिगम परिणाम ( Programme Learning Outcomes)

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा के क्षेत्र में विशिष्ट तत्व प्राप्त अध्यापक शिक्षक तैयार करना है जो संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में अपना विशेष योगदान प्रदान कर सकेंगे।

इस प्रोग्राम के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी:-

- शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य में चिन्तन करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे।
- शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार से सम्बन्धित सम्प्रत्ययों में अन्तर्दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।
- शैक्षिक अनुसन्धान के विविध उपागमों एवं विधियों के अनुप्रयोग की क्षमता का विकास कर सकेंगे।
- शैक्षिक प्रौद्योगिकी का शिक्षण-अधिगम परिस्थितियों में अनुप्रयोग करने की क्षमता विकसित कर सकेंगे।
- शिक्षा के सामाजिक परिप्रेक्ष्य का अवबोध कर सकेंगे।
- व्यक्तित्व के मनोबिज्ञान सम्बन्धित सम्प्रत्ययों में अन्तर्दृष्टि विकसित कर सकंगे।
- शैक्षिक शोध में प्रदत्त विश्लेषण की क्षमता विकसित कर सकेंगे ।
- अध्यापक शिक्षा के स्वरूप एवं विकास से परिचित हो सकेंगे।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा के पाठ्यक्रम अभिकल्पन की क्षमता का विकास कर सकेंगे।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व क्षमता विकसित कर सकेंगे।
- प्रारम्भिक या माध्यमिक स्तर की शिक्षा में अधिगम आकलन की दक्षता विकसित कर सकेंगे ।
- संस्कृत शिक्षा एवं भाषा शिक्षा के विकास एवं शोध के क्षेत्रों से अवगत हो सकेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध आयामों एवं उनके महत्व से अवगत हो सकेंगे।
- शैक्षिक निर्देशन एवं उपबोधन के अनुप्रयोग करने से सम्बन्धित क्षमता का विकास कर सकेंगे ।
- पर्यावरण के संरक्षण एवं सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बन सकेंगे ।
- मानवाधिकार शिक्षा की अवधारणा से अवगत हो सकेंगे।
- दूरवर्ती शिक्षा के सम्प्रत्ययों में अन्तर्दृष्टि विकसित कर सकंगे।
- विभिन्न देशों की शिक्षा प्रणाली के स्वरूप एवं संरचना से परिचित हो सकेंगे।
- किसी शोध समस्या का सोपानिक क्रम में समाधान ज्ञात करने की क्षमता का विकास कर सकेंगे।
- समस्या निरूपण, शोध विधि, प्रतिदर्श एवं उपकरण चयन, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण से सम्बन्धित क्षमताओं का विकास कर सकेंगे ।
- शोध प्रतिबेदन लेखन से सम्बन्धित दक्षताओं का विकास कर सकेंगे।

# द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम स्वरूप

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम 2000 अंक एवं 80 क्रेडिटस का है जिसकी क्रियान्विति चार सेमेस्टरों में होगी। प्रत्येक सेमेस्टर 500 अंक एवं 20 क्रेडिटस का होगा। इस द्विवर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत चार मुख्य घटक हैं सैद्धान्तिक, प्रायोगिक, विद्यालय सम्बद्धता एवं लघु शोध प्रबन्ध। इसके अतिरिक्त शैक्षिक गतिविधियाँ को भी चार सेमेस्टरों में यथा स्थान समाहित किया गया है। इन घटकों के कोर्सेज का स्वरूप निम्नलिखित सारणी में प्रस्तुत है।

कुल अंक= 2000          कुल क्रेडिटस= 80+8*

## द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम के मुख्य घटक एवं कोर्स का स्वरूप

| मुख्य घटक (Main Components) | कोर्स का नाम (Name of Course) | कोर्स की संख्या (No.of Course) | कुल अंक (Credits) | क्रेडिटस (Credits) | कुल क्रेडिटस (Credits) |
|---|---|---|---|---|---|
| (A)सैद्धान्तिक (Theory) | (i) संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 04 | 400 | 16 | 52 (1300अंक) |
| | (ii) संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool) | 03 | 300 | 12 | |
| | (i) संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core Teacher Educatoion) | 01 | 100 | 04 | |
| | (iii) संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core compulsory) | 02 | 200 | 08 | |
| | (iv) वैकल्पिक (Elective i) | 01 | 100 | 04 | |
| | (v) विशेषज्ञता (Specialization) | 01 (क या ख) | 100 | 04 | |
| | (vi) विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective) | 01 (क-i-iii ) या (ख- i-iii ) | 100 | 04 | |
| प्रायोगिक (practicum) | | 03 | 300 | 12 | 12 (300अंक) |
| संस्था सम्बद्धता (Institutional Attachment) | | 02 | 200 | 08 | 08 (200अंक) |
| लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation) | | ... | 200 | 08 | 08 (200अंक) |
| शैक्षिकगतिविधियाँ *80%उपस्थिति अनिवार्य | | 04 | 200 | ... | 08* |

# द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम संरचना का प्रारूप

कुल अंक= 2000 　　　　　　　　　　　　　　　　　　 कुल क्रेडिटस= 80+8*

| कोर्सकानाम (Name of the Course) | कुलअंक (Marks) | क्रेडिटस (Credits) | कोर्स की संख्या (No. of Course) | कुलक्रेडिटस (Credits) |
|---|---|---|---|---|
| प्रथमसेमेस्टर(First Semester) | 500 | | | 20 |
| सैद्धान्तिक(Theory) | 400 | -- | 04 | 16 |
| संकेन्द्रिकपरिप्रेक्ष्य(Core Perspective)<br>संकेन्द्रिकउपकरण(Core Tool) | 200<br>200 | 04<br>04 | 02<br>02 | 08<br>08 |
| प्रायोगिक(practicum) | 100 | 04 | 1(i-v) | 04 |
| द्वितीय सेमेस्टर(Second Semester) | 500 | | | 20 |
| सैद्धान्तिक | 400 | -- | 04 | 16 |
| संकेन्द्रिकपरिप्रेक्ष्य(Core Perspective)<br>संकेन्द्रिकउपकरण(Core Tool)<br>संकेन्द्रिकअध्यापकशिक्षा(Core T-E) | 200<br>100<br>100 | 04<br>04<br>04 | 02<br>01<br>01 | 08<br>04<br>04 |
| प्रायोगिक(practicum) | 100 | 04 | 1(i-v) | 04 |
| तृतीयसेमेस्टर(Third Semester) | 500 | | | **20** |
| सैद्धान्तिक | 400 | -- | 02 | 08 |
| विशेषज्ञताविषय (Specialization)<br>विशिष्टप्रकरणआधारितवैकल्पिक (Theme Based Elective)<br>संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment) | 100<br>100<br>200 | 04<br>04<br>08 | 01 (क/ख)<br>01(क/ख–3)<br>02 | 04<br>04<br>08 |
| प्रायोगिक(practicum) | 100 | 04 | 1(i-v) | 04 |
| चतुर्थसेमेस्टर(Fourth Semester) | 500 | | | 20 |
| सैद्धान्तिक (Theory) | 300 | -- | 03 | 12 |
| संकेन्द्रिकअनिवार्य (Core Ocmpulsory)<br>वैकल्पिक(Elective )<br>लघु शोध प्रबन्ध(Dissertation) | 200<br>100<br>200 | 08<br>04<br>08 | 02<br>1(i-vii)<br>-- | 08<br>04<br>08 |
| शैक्षिकगतिविधियाँ *80%उपस्थिति अनिवार्य | 200 | 02* | 04 | 08* |

# शिक्षाचार्य ( एम.एड. ) प्रथम वर्ष
## प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स संख्या (course No.) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks) | घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Theory (सैद्धान्तिक) | | 400 | 16 | 20 | 400 |
| 201 | 1 | शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य(Philosophical Perspectives of Education) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 202 N | 2 | अधिगम का मनोविज्ञान (Psychology of Learning) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 203 | 3 | शैक्षिक अनुसंधान प्रविधि (Methodology of Educational Research) | संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 204 | 4 | शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology) | संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| **211N** | | **प्रायोगिक (Practicum)** | **प्रायोगिक (Practicum)** | **100** | **04** | **04** | **80** |
| (i) | | आधुनिक एवं भारतीय दार्शनिको के शैक्षिक विचारों का समीक्षात्मक अध्ययन। | | 20 | | | |
| (ii) | | मनोवैज्ञानिक चिन्तन धाराओं (व्यवहारवादी, संज्ञानवादी, रचनावादी) के अग्रणी चिन्तकों के अवदान का समीक्षात्मक अध्ययन। | | 20 | | | |
| (iii) | | शोध उपकरण निर्माण (कम से कम एक उपकरण निर्माण)। | | 20 | | | |
| (iv) | | **Power Point** निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण | | 20 | | | |
| (v) | | सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति। | | 20 | | | |
| 212 | | **शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)** | **अनिवार्य Compulsory** | **50** | **2*** | **80% अनिवार्य** | |
| (i) | | संस्कृत सम्भाषण | | | | | |
| (ii) | | परिसर आधारित स्वच्छता अभियान | | | | | |
| (iii) | | खेल–कूद | | | | | |
| (iv) | | सामुदायिक कार्य | | | | | |

## शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
## द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स संख्या (course No.) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks) | घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Theory (सैद्धान्तिक) | | 400 | 16 | 20 | 400 |
| 221 | 5 | शिक्षा का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (Sociological Perspectives of Education) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 222N | 6 | व्यक्तित्व का मनोविज्ञान (Psychology of Personality) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 223N | 7 | शैक्षिक अनुसंधान में प्रदत्त विश्लेषण (Data Analysis in Educational Research) | संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 224 | 8 | अध्यापक शिक्षा (Teacher Education ) | संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core T.E) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 231 | | **प्रायोगिक (Practicum)** | प्रायोगिक **(Practicum)** | **100** | **04** | **04** | **80** |
| (i) | | शैक्षणिक लेखन (Academic Writing)– इन्द्रियानुभाविक एवं दार्शनिक शोध के परिप्रेक्ष्य में लेखन प्रारूप | | 20 | | | |
| (ii) | | मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं प्रयोग | | 20 | | | |
| (iii) | | शोध संक्षिप्तिका निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण | | 20 | | | |
| (iv) | | शिक्षाशास्त्री कक्षाओं में किन्हीं दो पाठों का शिक्षण। | | 20 | | | |
| (v) | | सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति। | | 20 | | | |
| 232 | | **शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)** | अनिवार्य **Compulsory** | **50** | **2*** | **80% उपस्थिति (80%Attendance)** | |
| (i) | | समसामायिक मुद्दों पर समूह परिचर्चा | | | | | |
| (ii) | | परिसर आधारित स्वच्छता अभियान | | | | | |
| (iii) | | खेल–कूद | | | | | |
| (iv) | | विशिष्ट व्याख्यान | | | | | |

## शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
## तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500

कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स संख्या (course No.) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks) | घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Theory (सैद्धान्तिक) | | 200 | 8 | 10 | 200 |
| 241 | 9 | विशेषज्ञता विषय (Specialization) | विशेषज्ञता (Specialisation) (निम्नलिखित में से कोई एक) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 241- क | 9-I | प्रारम्भिक शिक्षा (Elementary Education)<br>या | | | | | |
| 241- ख | 9-II | माध्यमिक शिक्षा (Secondary Education) | | | | | |
| 242 | 10 | विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective) विशेषज्ञता आधारित खण्डों में से कोई एक। | | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| | 10- क | **प्रारम्भिक शिक्षा में (In Elementary Education)** | | | | | |
| | 10-क(i) | पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development) | | | | | |
| | 10-क(ii) | शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership) | | | | | |
| | 10-क(iii) | अधिगम आकलन (Learning Assessment)<br>**या (Or)** | | | | | |
| | 10- ख | **माध्यमिक शिक्षा में (In Secondary Education)** | | | | | |
| | 10-ख(i) | पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development) | | | | | |
| | 10-ख(ii) | शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership) | | | | | |
| | 10-ख(iii) | अधिगम आकलन (Learning Assessment) | | | | | |
| 243 | | **संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment)** | | **200** | **8** | | **8 Weeks** |
| (i) | | अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Education Institutional Attachment) | | 100 | 4 | - | 4 weeks |
| (ii) | | विशेषज्ञता आधारित संस्था सम्बद्धता (Specialisation based Institution Attachment) | | 100 | 4 | - | 4 weeks |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 251N | प्रायोगिक (Practicum) | प्रायोगिक (Practicum) | 100 | 04 | 08 | 160 |
| (i) | विशेषज्ञता क्षेत्र आधारित राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय किन्हीं दो संस्थाओं के पाठ्यक्रमों/प्रबंधन/आकलन उपागमों का तुलनात्मक अध्ययन। | | 20 | | | |
| (ii) | संबन्धित साहित्य सर्वेक्षण एवं प्रस्तुतीकरण | | 20 | | | |
| (iii) | गुणात्मक / मात्रात्मक प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण | | 20 | | | |
| (iv) | विद्यालय सम्बद्धता प्रशिक्षण के समय बी.एड. विद्यार्थियों का पर्यवेक्षण। | | 20 | | | |
| (v) | सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति। | | 20 | | | |
| 252 | **शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)** | अनिवार्य **Compulsory** | **50** | **2*** | **80% उपस्थिति (80%Attandance)** | |
| (i)<br>(ii)<br>(iii)<br>(iv) | वृत्तिक एवं उपबोधन कार्यक्रम।<br>सूक्ष्म शिक्षण कक्षाओं का अवलोकन<br>खेल–कूद<br>संस्कृत सप्ताह | | | | | |

# शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
## चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500

कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स संख्या (course No.) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks) | घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **Theory (सैद्धान्तिक)** | | **300** | **12** | **12** | **160** |
| 261 | 11 | संस्कृत शिक्षा (Sanskrit Education) | संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 262 N | 12 | भारतीय ज्ञान परम्परा (Indian Knowledge Tradition) | संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 263 | 13 | **ऐच्छिक निम्नलिखित में से कोई एक (Optional -Any one of the following)** | वैकल्पिक--I Elective (i) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 263- i | 13-I | समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) | | | | | |
| 263- ii | 13- II | निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling) | | | | | |
| 263- iii | 13- III | पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education) | | | | | |
| 263- (iv) | 13- IV | तुलनात्मक शिक्षा (Comparative Education) | | | | | |
| 263- (v) | 13-V | भाषा शिक्षा (Language Education) | | | | | |
| 263 (vi) | 13- VI | मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education) | | | | | |
| 263 (vii) | 13- VII | दूरवर्ती शिक्षा (Distance Education ) | | | | | |
| 263 (viii) | 13-VIII | योग शिक्षा (Yoga Education ) | | | | | |
| 264 | | **लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)** | क्षेत्र आधारित शोध **(Field based Research)** | **200** | **08** | - | - |
| (i) | | पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण। | | 50(I) | | | |
| (ii) | | लघुशोध प्रबन्ध मूल्यांकन | | 100(E) | | | |
| (iii) | | मौखिकी | | 50(E) | | | |
| 271N | | **शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)** | अनिवार्य Compulsory | **50** | **2*** | **80% अनिवार्य** | |
| (i) | | विद्यार्थियों द्वारा किन्ही दो शैक्षिक महत्व के स्थानीय स्थलों का स्वभ्रमण आधारित प्रतिवेदन | | | | | |
| (ii) | | राष्ट्रीय/ राज्य स्तरीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति(किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में आयोजित) | | | | | |
| (iii) | | लक्ष्य समूह परिचर्चा एवं विमर्शी प्रतिवेदन | | | | | |
| (iv) | | सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन | | | | | |

# द्विवर्षीय शिक्षाचार्य ( एम. एड. ) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन विधियाँ

द्विवर्षीय शिक्षाचार्य (एम. एड.) पाठ्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग किया जायेगा । विशेषकर **संवादपरक व्याख्यान विधि (Interactive Lecture Method)**। इसके अतिरिक्त सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की क्रियान्विति **कार्यशाला-शैली (Workshop Mode)** में सम्पन्न की जायेगी। इसके साथ-साथ अन्य क्रियान्वयन विधियों का प्रयोग पाठ्यक्रम के सम्पादन हेतु किया जायेगा उनका उल्लेख निम्नलिखित है-

**संगोष्ठी (Seminar)** - इस द्विवर्षीय पाठ्क्रम के अन्तर्गत निर्धारित विभिन्न कोर्सेस से सम्बन्धित विषयों पर संगोष्ठी का आयोजन विभागीय स्तर पर प्रतिसप्ताह आयोजित किया जायेगा। इससे विद्यार्थियों में विषय से सम्बन्धित विचारों को संयोजित रूप में अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास होगा।

**परिचर्चा (Discussion)** - इस पाठ्यक्रम के क्रियान्वयन में परिचर्चा विधि का भी प्रयोग दो प्रकार से किया जायेगा- युग्म परिचर्चा एवं समूह परिचर्चा। युग्म परिचर्चा के अन्तर्गत विद्यार्थियों के युग्म (जोड़े) बनाकर तथा समूह परिचर्चा में कक्षा को छोटे समूहों में बाँटकर शिक्षक द्वारा दिये गये विषय पर चर्चा करवाकर सम्पन्न किया जायेगा। इससे विद्यार्थियों में विषय का संश्लेषण, विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने से सम्बन्धित दक्षताओं का विकास होगा।

**दत्त कार्य (Assignment)** - इस विधि का प्रयोग छात्रों की लिखित अभिव्यक्ति मुख्य रूप से विषय का अवबोध, विश्लेषणं, संश्लेषण, मूल्यांकन तथा समीक्षा से सम्बन्धित क्षमताओं के विकास करने हेतु किया जायेगा।

**प्रश्नोत्तरी (Quiz)** - इस विधि का प्रयोग इकाई समापन एवं कक्षा शिक्षण के समय किया जायेगा। इसमें कक्षा विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों के समक्ष शिक्षण विषय की इकाईयों से सम्बन्धित वस्तुनिष्ठ प्रश्न अध्यापक द्वारा प्रस्तुत करके प्रश्नोत्तरी के रूप में किया जायेगा।

**विचारावेश (Brainstorming)** - इस रचनाकौशल का प्रयोग विद्यार्थियों में समस्या के सृजनात्मक समाधान हेतु किया जाता है। अत: कक्षा स्तर पर पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान ढूंढने हेतु इसका प्रयोग किया जायेगा।

**इकाई परीक्षण (Unit Test)** - पाठ्यक्रम में निर्धारित विभिन्न विषयों से सम्बन्धित इकाईयों के समापन के पश्चात् वस्तुनिष्ठ एवं लघूत्तरीय प्रश्नों पर आधारित मौखिक या लिखित परीक्षण विद्यार्थियों के अवबोध परीक्षण हेतु किया जायेगा।

# सैद्धान्तिक पत्रों हेतु प्रश्नपत्र का स्वरूप

(Structure of the Question Paper for Theory Papers)

## कुल अंक = 100

(Total Marks)

## 75 अंक = बाह्य (लिखित परीक्षा)

**75 Marks =External (Written Examination)**

## 25 अंक = आन्तरिक (सत्रीय कार्य)

**25 Marks= Internal (Sessional Work)**

## लिखित परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र स्वरूप

| प्रश्न का स्वरूप **(Form of the Question)** | प्रश्न प्रकार **(Type of Question)** | प्रश्नों की संख्या **(No. of Questions)** | अंक/प्रश्न **(Marks/ Question)** | कुल अंक **(Total Marks)** |
|---|---|---|---|---|
| (क) अनिवार्य (Compulsory) | लघु–उत्तरीय (Short Answer) | 5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit) | 2 अंक/प्रश्न | 5 (प्रश्न) x 2 (अंक) **= 10** |
| | | 5 (प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न) (One Questions from each unit) | 3 अंक/प्रश्न | 5 (प्रश्न) x 3 (अंक) **= 15** |
| (ख) आन्तरिक विकल्प (Internal Choice) | दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) | 5 (प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न) (Two Questions from each unit) | 10 अंक/प्रश्न | 5 (प्रश्न) x 10 (अंक) **= 50** |
| | | | **कुल अंक (Total Marks)** | **75 अंक** |

# ग्रेड प्रणाली मूल्यांकन स्वरूप

| अंक प्रसार<br>(Scores Range) | ग्रेड प्वाइन्ट<br>(Grade Point) | ग्रेड<br>(Grade) | विवरण<br>(Letter Description) |
|---|---|---|---|
| 95-100 | 10 | O | Outstanding |
| 85-94 | 9 | A+ | Excellent |
| 75-84 | 8 | A | Very Good |
| 65-74 | 7 | B+ | Good |
| 55-64 | 6 | B | Above Average |
| 45-54 | 5 | C | Average |
| 40-44 | 4 | P | Pass |
| Below 40 | 0 | F | Fail |
| - | 0 | Ab | Absent |

**SGPA - Semester Grade Point Average** का गणना सूत्र

**SGPA (Si)** = $\Sigma(C_i \times G_i) / \Sigma C_i$
Where Ci is the number of credits of the ith course and Gi is the grade point scored by the student in the ith course.

**CGPA** = $\Sigma(C_i \times S_i) / \Sigma C_i$
Where Si is the SGPA of the ith semester and Ci is the total number of credits in that semester.

## श्रेणी निर्धारण

| CGPA | श्रेणी (Division) |
|---|---|
| 8.5 & above | First division with distinction |
| 6.5 & above but below 8.5 | First division |
| 5.0 & above but below 6.5 | Second division |
| 4.0 & above but below 5.0 | Third division |

**CGPA को सम्बन्धित अंक प्रतिशत में परिवर्तित करने का सूत्रः-**

**CGPA × 10 = अंक प्रतिशत**

# शिक्षाचार्य ( एम.एड. ) पाठ्यक्रम

## प्रथम सेमेस्टर

# शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष

## प्रथम सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स संख्या (course No.) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे/सप्ताह (Hours/weeks) | घण्टे/सेमेस्टर (Hours/Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | Theory (सैद्धान्तिक) | | **400** | **16** | **20** | **400** |
| 201 | 1 | शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य(Philosophical Perspectives of Education) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 202 N | 2 | अधिगम का मनोविज्ञान (Psychology of Learning) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 203 | 3 | शैक्षिक अनुसंधान प्रविधि (Methodology of Educational Research) | संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 204 | 4 | शैक्षिक प्रौद्योगिकी (Educational Technology) | संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 211N | | **प्रायोगिक (Practicum)** | प्रायोगिक **(Practicum)** | **100** | **04** | **04** | **80** |
| (i) | | आधुनिक एवं भारतीय दार्शनिको के शैक्षिक विचारों का समीक्षात्मक अध्ययन। | | 20 | | | |
| (ii) | | मनोवैज्ञानिक चिन्तन धाराओं (व्यवहारवादी, संज्ञानवादी, रचनावादी) के अग्रणी चिन्तकों के अवदान का समीक्षात्मक अध्ययन। | | 20 | | | |
| (iii) | | शोध उपकरण निर्माण (कम से कम एक उपकरण निर्माण)। | | 20 | | | |
| (iv) | | **Power Point** निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण | | 20 | | | |
| (v) | | सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति। | | 20 | | | |
| 212 | | **शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)** | **अनिवार्य Compulsory** | **50** | **2*** | **80% अनिवार्य** | |
| (i) | | संस्कृत सम्भाषण | | | | | |
| (ii) | | परिसर आधारित स्वच्छता अभियान | | | | | |
| (iii) | | खेल—कूद | | | | | |
| (iv) | | सामुदायिक कार्य | | | | | |

# प्रश्नपत्र - 1 शिक्षा का दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

## (Philosophical Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 201 | कुल क्रेडिट्स = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा और दर्शन की प्रकृति का अवबोध कर सकेंगे।
- विद्या के विशेष सन्दर्भ में भारतीय विचारधाराओं तथा इस्लामी दृष्टिकोण का विश्लेषण कर सकेंगे।
- शैक्षिक सम्प्रत्ययों, प्रतिमानों, एवं धारणाओं का समीक्षात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
- मूल्यशिक्षा एवं उसके विविध आयामों और शान्तिशिक्षा के संप्रत्ययों के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर सकेंगे।

## पाठ्य—वस्तु (Content) — 75 अंक

**इकाई- १ : शिक्षा दर्शन**- शिक्षा तथा दर्शन का अर्थचिन्तन, शिक्षा और दर्शन का सम्बन्ध, दर्शन की प्रमुख शाखाओं- तत्त्वमीमांसा, ज्ञानमीमांसा, मूल्यमीमांसा एवं तर्कशास्त्र का परिचय। पाठ्यचर्चा की अवधारणा तथा उसका दार्शनिक आधार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के सन्दर्भ में।

**इकाई- २** : विद्या के विशेष सन्दर्भ में भारतीय विचारधाराओं षड-दर्शन- (सांख्य, योग, वेदान्त, मीमांसा, न्याय, वैशेषिक), बौद्ध तथा जैन दर्शन का योगदान, दयानन्द दर्शन, शैक्षणिक लक्ष्य तथा प्रामाणिक ज्ञानार्जन के प्रति इस्लामी दृष्टिकोण।

**इकाई- ३**: भारतीय एवं पाश्चात्य विचारधाराओं (आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, व्यावहारिकतावाद, अस्तित्ववाद एवं मार्क्सवाद) का योगदान।

**इकाई- ४ : मूल्य और नैतिकता**- मूल्य शिक्षा की अवधारणा, प्रकार, भारतीय शिक्षानीतियों-1968,1986 तथा 2020 में मूल्यशिक्षा सम्बन्धी विचार, भारतीय संविधान में निहित मूल्य।

**इकाई- ५ : नीतिशास्त्र और शिक्षा** - नीतिशास्त्र का परिचय, शैक्षिक सन्दर्भ में नैतिकता (शोध, नैतिक प्रतिबद्धता, आचार संहिता और व्यावसायिक नैतिकता के विशेष सन्दर्भ में)।

**सत्रीय कार्य** : निम्नलिखित में से कोई दो — 25 अंक

1. भारतीय समसामायिक वार्ता पत्रिका तथा शोध पत्रिकाओं में आये शैक्षिक विचारों पर संवाद तथा स्वतन्त्र लेख।
2. केन्द्र राज्य स्तरीय मूल्यशिक्षा सम्बन्धित दस्तावेजों का अनुशीलन (**N.C.E.R.T** आदि संस्थाओं द्वारा प्रकाशित)
3. महिला शिक्षाविदों के शैक्षिक विचारों का अध्ययन तथा प्रस्तुति- वोल्सटनक्राफट, नेल नोडिंग्स् तथा सावित्रीबाई फुले के सन्दर्भ में।

**अध्येय ग्रन्थ—**

पाण्डेय,के.पी., (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।

पाण्डेय, आर.एस., (1997) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

गैरोला, वाचस्पति, (1995) भारतीय दर्शन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
शर्मा, चन्द्र धर, (1995) भारतीय दर्शन: आलोचना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
झा, नागेन्द्र, (1992) वैदिक शिक्षा पद्धति एवं आधुनिक शिक्षा पद्धति, वेंकटेश प्रकाशन, नई दिल्ली।
मिश्र, भास्कर, (2001) वैदिक शिक्षा मीमांसा, ईस्टन बुक लिंकर्स, चन्द्रावल, दिल्ली।
मिश्र, भास्कर, (2000) शिक्षा संस्कृति नये सन्दर्भ में, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली।
भण्डारी, आर. एवं विजय श्री, (1998)भारतीय दार्शनिक चिन्तन, न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन।
पाठक, आर.पी., (2011) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय सिद्धान्त, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
उपाध्याय, आचार्य,बलदेव (1991) भारतीय दर्शन, शारदा मन्दिर, वराणसी ।
रस्क, आर., (1970) शिक्षा के दार्शनिक आधार जयपुर, राजस्थान, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
पाठक, आर.पी., (2009) भारतीय परम्परा में शैक्षिक चिन्तन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
पाठक, आर.पी., (2011) भारत के महान शिक्षाशास्त्री , पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
पाठक, आर.पी., (2012) विश्व के महान शिक्षाशास्त्री , पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।
ओड, एल.के. (1990) शिक्षा के दार्शनिक पृष्ठ भूमि, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
नेल्सन, वी.एच. (1990) मार्डन फिलासाफीज एण्ड एजूकेशन, सेन्ट्रल बुक डिपो, इलाहाबाद।
लाल, रमन बिहारी एवं पलोड़, सुनीता (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
शर्मा,आर. ए.(1995) तत्व मीमांसा, ज्ञान मीमांसा, मूल्य मीमांसा एवं शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ. प्र.।
लाल, रमन बिहारी (2007) शैक्षिक चिन्तन एवं प्रयोग, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
ब्रूवेकर जे.एस. (1969) मार्डन फिलॉसफीज ऑफ एजुकेशन, मैकग्राहिल, पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली।
Vinoba Bhave Acharya ,Thoughts on Education; (1985)Sarva Seva Sangh, Varanasi .
सिकरवार:, डा. प्रेमसिंह, (२०१६)शिक्षाया: दार्शनिकसामाजिकाधारा:,एम.बी.पब्लिशर्स, जयपुरम्।
सिकरवार:, डा. प्रेमसिंह, (२०१६)वैश्विकचिन्तका:,एम.बी.पब्लिशर्स, जयपुरम्।
पाठक रमेश प्रसाद एवं शर्मा सारिका(2018): भारतीय शिक्षा के प्रवर्तक, कनिष्का प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
Pathak, R.P. and Bhardwaj Amita pandey (2018) Education Thinks of East and West Kaniksha Publishers, New Delhi.

**अन्तर्जाल स्रोत:-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 2 अधिगम का मनोविज्ञान

## (Psychology of Learning)

कोर्स कोड = 202

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04

कुल अंक = 100

### कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भारतीय तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान की अवधारणा के सन्दर्भ में शिक्षा, शिक्षार्थी, एवं अधिगम की परिस्थितियों के विश्लेषण एवं अवबोध हेतु परिप्रेक्ष्य विकसित कर सकेंगे ।
- अधिगम सिद्धान्तों की अवधारणओं से अवगत हो सकेंगें।
- सामाजिक अधिगम एवं सामाजिक संज्ञान की संकल्पना का परिचय देते हुए सामाजिक सक्षमता हेतु कौशलों का विकास कर सकेंगे ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि मे अङ्गीकृत मूल-अवधारणाओं के आलोक में अभिप्रेरणा, सर्जनात्मकता एवं परासंज्ञान पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य का विकास कर सकेंगे ।

### पाठ्य—वस्तु (Content)

75 अंक

**इकाई- १ : शिक्षा मनोविज्ञान एवं अधिगम-** शिक्षा मनोविज्ञान की अवधारणा, महत्व तथा उद्देश्य । मनोविज्ञान के सम्प्रदाय-व्यवहारवादी, मनोविश्लेषणवादी, गेस्टाल्टवादी, संज्ञानवादी तथा रचनावादी परिप्रेक्ष्य का शिक्षा एवं शिक्षण में निहितार्थ। अधिगम का अभिप्राय, अधिगम के नियम । अधिगम के व्यवहारपरक सिद्धान्त-टोलमैन का संकेत अधिगम तथा लेविन का संज्ञानात्मक क्षेत्र सिद्धान्त।

**इकाई- २ : संज्ञानात्मक एवं सामाजिक अधिगम-** संज्ञानात्मक अधिगम-पियाजे, ब्रूनर एवं ऑसबेल की दृष्टि में अधिगम की अवधारणा, सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग। सामाजिक अधिगम - अभिप्राय, सामाजिक अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक, सामाजिक सक्षमता, सामाजिक संज्ञान की संकल्पना, सामाजिक सम्बन्ध तथा सामाजीकरण के लक्ष्य। बन्दुरा का सामाजिक अधिगम सिद्धान्त। अद्यतन रचनावादी अवधारणाएँ- नोवाक तथा वाइगोत्सकी के संदर्भ में एवं उनका शैक्षिक निहितार्थ।

**इकाई- ३ : अभिप्रेरणा का मनोविज्ञान** -अभिप्राय एवं अभिप्रेणा के प्रकार, सिद्धान्त- विषयगत सिद्धान्त -मैक्लीलैण्ड का आवश्यकता सिद्धान्त, मासलो के अभिप्रेरणा सिद्धान्त का एल्डरफर द्वारा संशोधित विकसित प्रतिमान, प्रक्रियागत सिद्धान्त- विक्टर व्रूम एवं पोर्टर लॉलर के प्रत्याशा सिद्धान्त तथा स्किनर का प्रबलन सिद्धान्त:, सकारात्मक नकारात्मक प्रबलन की रीतियाँ, दण्ड एवं विलोप।

**इकाई- ४ : चिन्तन एवं सर्जनात्मकता का मनोविज्ञान** -चिन्तन की अवधारणा, महत्व एवं प्रकार समालोचनात्मक चिन्तन, समस्या समाधान की संकल्पनाएँ। सर्जनशीलता- अवधारणा, पहचान तथा संवर्धन के उपायों का शैक्षिक सन्दर्भ में अध्ययन परासंज्ञान तथा सर्जनात्मकता।

**इकाई- ५ : भारतीय मनोविज्ञान**- भारतीय मनोविज्ञान की अवधारणा तथा महत्व, मानसिक शक्ति एवं चेतना के उन्नयन में अष्टांग योग एवं पंचकोशीय अवधारणा का महत्व। पुरूषार्थ चतुष्टय की अवधारणा तथा शैक्षिक संदर्भ में प्रासंगिकता। सर्जनशीलता के रूप में प्रतिभा एवं क्षमता की भारतीय अवधारणा।

**सत्रीय कार्य** : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भारतीय तथा पाश्चात्य मनोविज्ञान के मुख्य तत्वों पर आधारित समूह परिचर्चा।
2. किसी बालक का सर्जनशीलता के सन्दर्भ में व्यष्टि अध्ययन।
3. सामाजिक सक्षमता हेतु कौशलों के विकास पर आधारित कार्यशाला।

अध्येय ग्रन्थ–


सिंह, (2006) अरूण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन, आगरा, उ.प्र.।

जायसवाल, सीताराम, (1990) भारतीय मनोविज्ञान और शिक्षा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

पाण्डेय, के.पी., (2005) नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

चौबे एस.पी.,(1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

पाण्डेय आर.एस., (1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

पाल, हंसराज, (2006) प्रगत शिक्षा मनोविज्ञान, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली वि.वि.।

गुप्ता, एस.पी., (2010) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।

मंगल, एस.के., (2006) शिक्षा मनोविज्ञान, प्रेन्टिस हाल आफ इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी., (2006) उच्च शिक्षा मनोविज्ञान-एक परिचय, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2014) शिक्षा मनोविज्ञान के आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी., (2018)शिक्षा मनोविज्ञान के परिप्रेक्ष्य अटलांटिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

Bandura, A. and Walters, (1936) R.H., Social Learning and Personality Development, Holt, Rinehart and Winston.

Hilgard E.R.and Bower Gardon, H., (1977) Theories of learning, Prentice Hall of India, New Delhi.

Chauhan S.S., (1998) Advanced Educational Psychology, Vikas Publishing House, New Delhi.

Mathur S.S., (2000) Educational Psychology (Hindi EditionAlso) Vinod Pustak Mandir, Agra.

Pandey, K.P., (1998) Advanced Educational Psychology; Konark Pub lishers, New Delhi.

Ausubel, D., (1963) The Psychology of Meaningful Verbal Learning, Grune and Stratton.

Hall, C.S and Lindzey, G., (1978) Theories of Personality, 3rd ed, Wiley.


**अन्तर्जाल स्रोतः-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 3 शैक्षिक अनुसन्धान प्रविधि

## (Methodology of Educational Research)

कोर्स कोड = 203

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04

कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी-

- शैक्षिक अनुसन्धान की अवधारणा, उद्देश्य, महत्व एवं क्षेत्र बता सकेंगे ।
- भारतीय ज्ञान परम्परा में शैक्षिक अनुसन्धान के प्रति जागरुक हो सकेंगे ।
- शैक्षिक अनुसन्धान के उपागमों एवं विधियों का समुचित प्रयोग कर सकेंगे ।
- सम्बन्धित साहित्य सर्वेक्षण एवं शोध समस्या निरुपण में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे ।
- जनसंख्या एवं प्रतिदर्श के सम्प्रत्यय को समझकर प्रतिदर्श चयन प्रक्रिया से अवगत हो सकेंगे ।
- शैक्षिक अनुसन्धान में प्रयुक्त उपकरण एवं प्रविधियों की विशेषताओं को जानकर उनका निर्माण एवं अनुप्रयोग कर सकेंगे ।
- अनुसन्धान प्रक्रिया में संगणक का अनुप्रयोग कर सकेंगे ।

## पाठ्य–वस्तु (Content)

75 अंक

**इकाई- १ : शैक्षिक अनुसन्धान -**

- अवधारणा, उद्देश्य, महत्व, क्षेत्र तथा अन्तर्विद्यापरकता, आचार संहिता ।
- प्रकार- मौलिक, व्यवहृत एवं क्रियात्मक अनुसन्धान । प्रयोजन आधारित प्रकार - व्याख्यात्मक (**Explanatory**), खोजपरक (**Exploratory**), वर्णनात्मक (**Descriptive**), विश्लेषणात्मक (**Analytical**)
- उपागम - गुणात्मक, मात्रात्मक, मिश्रित, त्रिभुजीकरण (**Triangulation**)
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुसन्धान, संस्कृत शोध के सम्बन्ध में शोध विधाएँ एवं अग्रणी संस्थाएँ ।

**इकाई- २ : शोध समस्या निरूपण -**

- सम्बन्धित साहित्य सर्वेक्षण - अभिप्राय, महत्व, स्रोत एवं लेखन ।
- शोध समस्या- निरूपण / चयन, समस्या कथन, उद्देश्य, सीमांकन ।
- सम्प्रत्यय (**Concept**), अन्वय (**Construct**), एवं चर (**Variable**)- अभिप्राय ।
- चर के प्रकार- सतत एवं असतत, स्वतन्त्र, आश्रित, मध्यवर्ती, परिनियामक एवं बाह्य चर ।
- परिकल्पना- अभिप्राय, स्रोत, विशेषताएँ, निरुपण (सम्प्रत्ययात्मक एवं सैद्धान्तिक पृष्ठभूमि) । प्रकार- शोध एवं सांख्यिकीय परिकल्पना । शून्य, वैकल्पिक, दिशात्मक एवं अदिशात्मक परिकल्पना ।
- शोध प्रश्न-अभिप्राय, विशेषताएँ एवं लेखन ।

इकाई- ३ : अनुसन्धान विधि-

- मात्रात्मक अनुसंधान विधियाँ - सर्वेक्षण, प्रयोगात्मक, कार्योत्तर विधि की अवधारणा, विशेषताएँ एवं अभिकल्प ।
- गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ- ऐतिहासिक, दार्शनिक, संकेन्द्रिक समूह परिचर्चा (**Focused Group Discussion**), आख्यात्मक (**Narrative**), व्यष्टि अध्ययन (Case Study), ग्राउंडेड सिद्धांत (Grounded Theory), सांकेतिक अन्तर्क्रिया (Symbolic Interaction), नृजातिय (Ethnography) ।

इकाई- ४ : जनसंख्या एवं न्यादर्श-

- Universe, जनसंख्या, न्यादर्श - अभिप्राय, परिभाषीकरण, न्यादर्श रचना (**Sampling Frame**) न्यादर्श आकार (**Sample Size**)
- प्रतिदर्श चयन प्रविधियाँ - सम्भाव्य एवं असम्भाव्य ।
- पैरामीटर एवं सांख्यिकी।
- अनुसन्धान प्रक्रिया में संगणक का अनुप्रयोग

इकाई- ५ : प्रदत्त संकलन-

- **प्रदत्त**- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार (मात्रात्मक एवं गुणात्मक) ।
- प्रदत्त संकलन प्रविधियाँ- निरीक्षण, साक्षात्कार, समाजमिति, प्रक्षेपीय प्रविधियाँ ।
- शोधोपकरण- प्रश्नावली, अनुसूची, निर्धारण मापनी, परीक्षण- अभिप्राय एवं विशेषताएँ ।
- शोधोपकरण निर्माण एवं मानकीकरण
- शोधोपकरण की विशेषताएँ- वस्तुनिष्ठता, विश्वसनीयता वैधता ।

**सत्रीय कार्य :- निम्नलिखित में से कोई दो कार्य** **25 अंक**

1. विभिन्न शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधों से सम्बन्धित अध्ययनों का शोध सारांश एवं प्रस्तुति। (कम से कम दो शोध सारांश)
2. न्यादर्श चयन के प्रकारों पर आधारित प्रायोगिक कार्य एवं प्रस्तुति।
3. मात्रात्मक या गुणात्मक किसी एक प्रतिमान के अनुसार शोध अभिकल्प तैयार करना।
4. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य।

**अध्येय ग्रन्थ—**

कौल लोकेश (2011) शैक्षिक अनुसन्धान की कार्य प्रणाली विकास पब्लिशिंग हाऊस प्रा. लि. नोएडा

गुप्ता, एस.पी., (1998) शिक्षा में सांख्यिकी, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.।

गुप्ता एस.पी., (2000) अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, उ.प्र.।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

पाण्डेय, के.पी. (2005) शिक्षा तथा मनोविज्ञान में सांख्यिकी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

त्रिपाठी, एल.बी. एवं भार्गव, हरप्रसाद, (1990) मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा, उ.प्र.।

पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।
भटनागर. ए.बी. (2002) शिक्षा अनुसंधान की कार्यप्रणाली, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
शर्मा,आर. ए.(2005) ) शिक्षा अनुसंधान के मूल तत्व एवं शोध प्रक्रिया, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र. ।

Best, John W., (2000) Research in Education, Prentice Hall Inc. New Delhi.
Creswell, J.W., (2015) Educational Reserch, Person Education India
Kerlinger, F.N., (2000) Foundations of Behaviroal Research. Surjeet Publications, Kamla Nagar, New Delhi
Keeves, J.P., Educational Research Methodology And Measrement, International Handbook, Pergamon Press.
Pathak, R.P., Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.
Pathak R.P. (2008) Methodology of Educational Research, Atlantic Publishers New Delhi.
Pandey,K.P., (2005) Fundamentals of Educational Research; Vishwavidyalaya Prakashan, Chowk, Varanasi.

**अन्तर्जाल स्रोतः-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 4 शैक्षिक प्रौद्योगिकी

## (Educational Technology)

कोर्स कोड = 204 कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- शैक्षिक प्रौद्योगिकी की अवधारणा के सम्प्रत्यय, उद्देश्य एवं प्रकारों की व्याख्या कर सकेंगें।
- व्यवस्थित प्रेक्षण विधियों के माध्यम से शिक्षण व्यवहार का विश्लेषण कर सकेंगें।
- अनुदेशनात्मक प्रणालियों का अभिकल्पन कर सकेंगें।
- शिक्षण प्रतिमान और सिद्धान्तों के आधारभूत तत्वों की विवेचना कर सकेंगें।
- अभिक्रम निर्माण प्रक्रिया में अर्न्तदृष्टि प्राप्त कर सकेंगें।
- ई-कोर्स एवं ई-संसाधन निर्माण प्रक्रिया में अर्न्तदृष्टि प्राप्त कर सकेंगें।
- डिजिटल उपकरण द्वारा ई-संसाधन निर्माण कर सकेंगें।

पाठ्य---वस्तु (Content) **75 अंक**

इकाई -- १ : **शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी**

**शैक्षिक प्रौद्योगिकी**- अभिप्राय, प्रकृति, उद्देश्य, उपागम (कठोर, कोमल, प्रणालीतन्त्र) TPACK एवं क्षेत्र। प्रोडक्ट टेक्नोलॉजी एवं आइडिया टेक्नोलॉजी तथा दोनो मे सम्बन्ध।

**सूचना सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी**- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार एवं उपयोगिता। सम्प्रेषण - अभिप्राय, अवयव, प्रक्रिया, अवरोधक तत्व। फिल्पिड, ब्लैण्डेड तथा ऑनलाइन अधिगम- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रक्रिया एवं उपयोगिता।

**इकाई -- २ : शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं शिक्षण अधिगम प्रबन्धन-**

**शिक्षण व्यवहार विश्लेषण**- अवधारणा, विशेषताएँ एवं विश्लेषण विधियाँ- फ्लैण्डर का अन्त:क्रिया विश्लेषण **(FIAC)** ओबर्स की पारस्परिक अनुवर्ग विधि (RCS), बेण्टले एवं मिलर की समकक्ष वार्ता श्रेणी विधि (ETC)-- उद्देश्य, श्रेणियाँ, विश्लेषण विधि एवं उपयोगिता।

**शिक्षण अधिगम प्रबन्धन: नियोजन**- कार्य विश्लेषण, प्रशिक्षण एवं अधिगम की आवश्यक को पहचानना और शैक्षिक उद्देश्यों का प्रतिपादन। **संगठन**- उपयुक्त युक्तियाँ, कक्षा आकार एवं सम्प्रेषण व्यूहरचना का चयन। **अग्रसरण**- अग्रसरण हेतु अभिप्रेरणा का अनुप्रयोग, कौशल का चयन **नियन्त्रण**- अधिगम प्रणाली उद्देश्य, मापन एवं मूल्यांकन।

इकाई -- ३ : **शिक्षण सिद्धान्त एवं प्रतिमान**- प्रतिमान एवं सिद्धान्त की अवधारणा में मुख्य अन्तर।

**शिक्षण के सिद्धान्त**-धात्री सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त, ढलाई का सिद्धान्त एवं परस्पर पृच्छा सिद्धान्त (विशेषताएं, सीमाएं एवं शैक्षिक निहितार्थ)।

**शिक्षण के प्रतिमान**- अवधारणा एवं आधारभूत तत्त्व। कुछ चयनित शिक्षण प्रतिमान - विकासात्मक प्रतिमान (पियाजे), एडवान्स आरगनाईजर (ऑसवेल), पृच्छा प्रशिक्षण प्रतिमान (सचमैन), शिक्षक प्रशिक्षक प्रतिमान (हिल्डा-टाबा) के अवयव, विशेषताएँ, सीमाएँ एवं शैक्षिक निहितार्थ तथा प्रत्येक शिक्षणप्रतिमान पर आधारित पाठ-योजना।

**इकाई - ४ : अभिक्रमित अधिगम** - अभिक्रमित अधिगम की अवधारणा तथा ऐतिहासिक विकास। अभिक्रमित अधिगम के सिद्धान्त एवं प्रकार (रेखीय, शाखीय तथा मैथेटिक्स), कम्प्यूटर सहायक अनुदेशन।

**अभिक्रम निर्माण अवस्थाएं**- (i) अभिक्रम नियोजन-प्रकरण चयन,विषय वस्तु विश्लेषण, अधिगमकर्त्ता की मान्यताएं, उद्देश्य लेखन, पूर्व अपेक्षित कौशल एवं निकष परख निर्माण। (ii) अभिक्रम लेखन-अभिक्रम के संरचनात्मक एवं प्रकार्यात्मक तत्व, पद लेखन, एवं अनुक्रम, अभिक्रम संपादन एवं संशोधन। (iii) अभिक्रम परीक्षण - व्यक्तिगत, लघुसमूह और क्षेत्र परीक्षण। (iv) अभिक्रम का मूल्याकंन - त्रुटि दर, सूचना घनत्व, अनुक्रम प्रगमन और 90/90 मानक स्तर।

**इकाई - ५ : ई कोर्स एवं ई संसाधन**

- **ई कोर्स** -अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार, निर्माण एवं उपयोगिता। (SWAYAM के संदर्भ में )।
- **ई-संसाधन**- अभिप्राय, विशेषताएँ, प्रकार (पाठ्यवस्तु, चित्र, ऑडियो वीडियो,) डिजिटल उपकरणों द्वारा निर्माण एवं उपयोगिता।
- पावरपाइण्ट निर्माण एवं प्रस्तुति।

**सत्रीय कार्य :** निम्नलिखित में से कोई दो कार्य **25 अंक**

1. शिक्षण प्रतिमानों पर आधारित पाठयोजना निर्माण।
2. रेखीय अभिक्रम निर्माण (किसी विद्यालयीय विषय पर)।
3. किसी व्यवस्थित प्रेक्षण विधि का प्रयोग द्वारा शिक्षण व्यवहार विश्लेषण एवं आशोधन।
4. कोई एक ई-संसाधन निर्माण।

**अध्येय ग्रन्थ—**


मिश्र, करूणा शंकर, (1995) शिक्षण में नवचिन्तन, संज्ञानालय, कानपुर, उ.प्र.।

पाण्डेय, के.पी., (1992)अभिक्रमित अधिगमन की टेकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी, उ.प्र.।

पाठक, आर.पी.(2011) शैक्षिक प्रौद्योगिकी, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं क्रियात्मक अनुसंधान, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

शर्मा,आर. ए.(2002) ) शिक्षा के तकनीकी आधार, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

भटनागर. ए.बी. (2000) ) शैक्षिक तकनीकी एवं प्रबन्धन, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
सक्सेना, एन.आर. स्वरूप (2006) ) शिक्षण की तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
शर्मा,आर. ए.(2010) )सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
शर्मा,आर. ए.(2005) ) शिक्षणशास्त्र के मूल तत्व, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।
पाठक, आर.पी.(2014) शैक्षिक तकनीकी के आयाम, विकास पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
Pandey, K.P., (1997) Modern Concepts of Teaching Behaviour, Anamika Publications, New Delhi.
K. Sampat and et.all, (1990) Education Technology Sterling Publishing Pvt.Ltd., New Delhi.
Bruner, J.S., (1980) Towards Theory of Instruction, Mass Hardward University Press, Cambridge.
Singh, L.C. (1990) Microteaching, Bhargava Book Depot, Agra. U.P.
Allen And Ryan, (1985) Microteaching, Addison Wesley, New York.
Shelter, P A (1980) History of Instructional Technology, Megran, New York.
Bruce Joyce and Marsha Weil, (1975) Models of Teaching, Prentice Hall of India. New Delhi.
Passi B.K., (1985) Becoming Better Teacher, Sahitya Mudranalaya, Ahmadabad.
Pathak,R.P.,(2010) : Educational Technology : Pearson Education New Delhi.
पाठक, रमेश प्रसाद (2018)शैक्षिक प्रोद्योगिकी एवं जन संचार माध्यम कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

**अन्तर्जाल स्रोतः-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# शिक्षाचार्य ( एम.एड. ) पाठ्यक्रम

## द्वितीय सेमेस्टर

# शिक्षाचार्य (एम.एड.) प्रथम वर्ष
## द्वितीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स सख्या (course No ) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks) | घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **Theory (सैद्धान्तिक)** | | **400** | **16** | **20** | **400** |
| 221 | 5 | शिक्षा का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (Sociological Perspectives of Education) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 222N | 6 | व्यक्तित्व का मनोविज्ञान (Psychology of Personality) | संकेन्द्रिक परिप्रेक्ष्य (Core Perspective) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 223N | 7 | शैक्षिक अनुसंधान में प्रदत्त विश्लेषण (Data Analysis in Educational Research) | संकेन्द्रिक उपकरण (Core Tool) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 224 | 8 | अध्यापक शिक्षा (Teacher Education ) | संकेन्द्रिक अध्यापक शिक्षा (Core T.E) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 231 | | **प्रायोगिक (Practicum)** | प्रायोगिक **(Practicum)** | **100** | **04** | **04** | **80** |
| (i) | | शैक्षणिक लेखन (Academic Writing)– इन्द्रियानुभाविक एवं दार्शनिक शोध के परिप्रेक्ष्य में लेखन प्रारूप | | 20 | | | |
| (ii) | | मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं प्रयोग | | 20 | | | |
| (iii) | | शोध संक्षिप्तिका निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण | | 20 | | | |
| (iv) | | शिक्षाशास्त्री कक्षाओं में किन्हीं दो पाठों का शिक्षण। | | 20 | | | |
| (v) | | सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति। | | 20 | | | |
| 232 | | **शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)** | अनिवार्य **Compulsory** | **50** | 2* | **80% उपस्थिति (80%Attendance)** | |
| (i) | | समसामायिक मुद्दों पर समूह परिचर्चा | | | | | |
| (ii) | | परिसर आधारित स्वच्छता अभियान | | | | | |
| (iii) | | खेल–कूद | | | | | |
| (iv) | | विशिष्ट व्याख्यान | | | | | |

# प्रश्नपत्र - 5 शिक्षा का सामाजिक परिप्रेक्ष्य

## (Sociological Perspectives of Education)

कोर्स कोड = 221 | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे प्रति सप्ताह | कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम ( Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- शिक्षा और समाज के संबंध का विश्लेषण कर सकेंगें ।
- शिक्षा और संस्कृति के परस्पर सम्बन्ध को स्पष्ट कर सकेंगे ।
- सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका की व्याख्या कर सकेंगे ।
- शिक्षानीति निरुपण प्रक्रिया का आकलन कर सकेंगे ।
- राजनीति, अर्थशास्त्र तथा शिक्षा के संबंध का विश्लेषण कर सकेंगे ।
-भारतीय वाड्मय से संबंधित शैक्षिक तथ्यों का अवबोध कर सकेंगे ।
- स्वयंसेवी संगठनों (NGO's) की कार्य प्रणालियों से अवगत हो सकेगें।

पाठ्य—वस्तु (Content) — 75 अंक

**इकाई - १ : शिक्षा का समाजशास्त्रीय आधार**- शिक्षा और समाज, शिक्षा का समाजशास्त्र , समाजशास्त्र का परिचय, भारतीय समाज का स्वरुप, परिवार, समाज, सामाजिक संरचना । सामाजिक व्यवस्था एवं विकास में NGO's की भूमिका

**इकाई - २ : शिक्षा और संस्कृति**- संस्कृति की अवधारणा, शिक्षा एवं संस्कृति, सांस्कृतिक उन्नयन में शिक्षा की भूमिका, भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं सांस्कृतिक विडम्वना ।

**इकाई - ३ : सामाजिक संरचना**:- सामाजिक गतिशीलता, सामाजिक स्तरीकरण, सामाजिक परिवर्तन, सामाजिक परिवर्तन के लिए शैक्षिक विचार-श्री अरविन्द, जे. कृष्णमूर्ति, पावलो फ्रेरे के सन्दर्भ में।

**इकाई - ४ : शैक्षिक नीतियाँ**- नीतियों और शिक्षा का सम्बन्ध, राष्ट्रीय विकास और शिक्षानीति 1986 एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 निरूपण प्रक्रिया के निर्धारक तत्व । वर्तमान स्थिति का विश्लेषण, नीति विकल्प व नीति के प्रभाव का आकलन तथा अनुवर्ती नीति चक्र।

**इकाई - ५ : शिक्षा, अर्थशास्त्र तथा राजनीति**- शिक्षा का अर्थशास्त्र, संकल्पना, शैक्षिक वित्तव्यवस्था, शिक्षा का राजनीति संबन्धी दृष्टिकोण- उदारवादी, रूढ़िवादी तथा समालोचनात्मक राजनैतिक समाजशास्त्र की अवधारणा।

**सत्रीय कार्य** : निम्नलिखित में से कोई दो — 25 अंक

1. समाजशास्त्रियों के शैक्षिक विचारों की प्रस्तुति।
2. संस्कृतवाड्मय में शिक्षा सम्बन्धी अवधारणाओं का आकलन।
3. स्वयंसेवी संगठनों का समाजसेवापरक (शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में) कार्यक्रमों का निरीक्षण तथा उक्त संस्थाओं से सम्बन्धित विवरण प्रस्तुति।

अध्येय ग्रन्थ–

पाण्डेय, के.पी., (2005) शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजिक आधार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,उ.प्र.।

पाण्डेय,आर.एस., (1997) शिक्षा दर्शन, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा उ.प्र.।

गैरोला, वाचस्पति, (1997) भारतीय दर्शन, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद उ.प्र.।

शर्मा, चन्द्र धर, (1990) भारतीय दर्शन: आलोचना, वि.वि.प्र0, वाराणसी, उ.प्र.।

पाठक, आर. पी., (2006) Philosophy and Sociological Perspectives of Education, Atlantic Publishers & Distributors, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi

पाठक, आर.पी., (2010) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाज शास्त्रीय सिद्धान्त, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।

पाठक,आर.पी., (2006) भारतीय समाज में शिक्षा,पियर्सन एजूकेशन,नई दिल्ली।

शर्मा, रामनाथ, (1999) शैक्षिक समाजशास्त्र, अटलांटिक पब्लिशर्स,नई दिल्ली।

हार्न एच.एस., (1980) डेमोक्रेटिक फिलासाफी आफ एजूकेशन, मैकमिलन न्यूयार्क,

तनेजा, वी.आर, (1973) एजूकेशनल थाट प्रैक्टिस, स्टर्लिंग पब्लिशर्स, नई दिल्ली।

लाल, रमन बिहारी(2005) उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

सक्सेना, एन.आर. स्वरूप एवं संजयकुमार (2006) शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

शर्मा, डी.एस. (2010) शिक्षा तथा भारतीय समाज, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

पाठक,आर.पी., (2014) उदीयमान आधुनिक भारतीय समाज में शिक्षा, विकास पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली।

मिश्र, भास्कर, (1998) शिक्षा संस्कृति नये सन्दर्भ में, भावना प्रकाशन, नई दिल्ली

भण्डारी,आर. एवं विजय श्री, (1990) भारतीय दार्शनिक चिन्तन, न्यू भारतीय बुक कारपोरेशन, नई दिल्ली।

Pillai, P.P. Religion and Economic Development(2021) Witness Publication, Kerala.

नई शिक्षा नीति 1986 और NEP-2020, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली।

**अन्तर्जालस्रोत-**

ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयं, मूक्स इत्यादि में उपलब्ध सामग्री।

NIEPA, N.C.E.R.T, S.C.E.R.T संस्थाओं के जालपुटों में उपलब्ध विषय सम्बन्धी दस्तावेज।

# प्रश्नपत्र -6व्यक्तित्व का मनोविज्ञान

## (Psychology of Personality)

कोर्स कोड = 222 N | कुल क्रेडिट्स = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक= 100

## कोर्स अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes)

इस पत्र के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी:

-शिक्षण अधिगम की प्रभावी व्यवस्थाओं एवं अभिकल्पों को निर्मित करने हेतु बुद्धि एवं व्यक्तित्व विषयक अद्यतन सिद्धान्तों पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य का विकासकर सकेंगे।

- विभिन्न संज्ञानात्मक योग्यताओं के मापन का सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करते हुए उनके प्रयोग में सक्षम बन सकेंगे।

- अन्तर्द्वन्द्व, समायोजन प्रक्रिया, प्रतिरक्षा क्रिया विधि, तनाव प्रबन्धन का व्यावहारिक परिस्थितियों में निहितार्थ निरूपण के कौशलों का विकास कर सकेंगे ।

- वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में निर्देशन एवं परामर्श के विविध उपागमों तथा परामर्श सिद्धान्तों की शैक्षिक परिस्थितियों में उपादेयता को दृष्टिगत रखते हुए इनके प्रयोग में कुशल हो सकेंगे ।

- भारतीय मनोविज्ञान सम्बन्धी मूल अवधारणाओं के परिप्रेक्ष्य में बुद्धि, व्यक्तित्व एवं समायोजन पर केन्द्रित उपयुक्त परिप्रेक्ष्य विकसित कर सकेंगे।

## पाठ्य—वस्तु(Content) — 75 अंक

**इकाई - १ : बुद्धि अवधारणा तथा सिद्धान्त** -गिलफोर्ड, स्टर्नबर्ग तथा गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धान्त।सामाजिक (कार्ल अल्ब्रेक्ट), संवेगात्मक (डेनियल गोलमैन) तथा आध्यात्मिक बुद्धि (डोना जोहर)की संकल्पनायें तथा निहितार्थ।बुद्धि का मापन-(शैक्षणिक, सामाजिक,संवेगात्मक तथा आध्यात्मिक बुद्धि)बुद्धि परीक्षणों की आवश्यकता, महत्व, तथा प्रकार- वैयक्तिक व सामूहिक परीक्षण, शाब्दिक, अशाब्दिक व निष्पादन परीक्षण।

**इकाई - २ : व्यक्तित्व** -अवधारणा,प्रकार, अधिगमकर्ता का समग्र विकासतथा सिद्धान्त- मनोविश्लेषण सिद्धान्त- फायड, युंग, एडलर,विशेषक सिद्धान्त- आलपोर्ट, कैटल,मानवातावादी सिद्धान्त- एब्राहम मॉसलो, कार्ल रोजर्स। व्यक्तित्व का मापन - वस्तुनिष्ठ, आत्मनिष्ठ एवं प्रक्षेपीय विधियाँ।

**इकाई - ३ : अन्तर्द्वन्द एवं समायोजन**-अन्तर्द्वन्द्व -सम्प्रत्यय एवं प्रकार तथा समाधान के उपाय।समायोजन-अवधारणा, प्रक्रिया, विशेषताएँ।प्रतिरक्षाक्रिया विधियाँ, सकारात्मक मनोविज्ञान एवं तनाव प्रबन्धन। सुस्थित जीवन शैली।

**इकाई - ४ : निर्देशन एवं परामर्श**- अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्व, निर्देशन के प्रकार, (शैक्षिक, व्यावसायिक, व्यक्तिगत) तथा परामर्श के प्रकार (निदेशात्मक, गैरनिदेशात्मक एवं संकलनात्मक परामर्श)।परामर्श केउपागम -संज्ञानात्मक- व्यवहारवादी(ALBERT ELLIS-REBT, AARON T BECK- CBT) व्यक्ति केन्द्रित परामर्श(कार्ल रोजर्स)परामर्श के सिद्धान्त - व्यवहारवादी, (Behavioristic),तर्कसंगत,(Rational), संवेगात्मक (Emotive),तथा यथार्थ(Reality),।

**इकाई – ५ : भारतीय दृष्टि में बुद्धि, व्यक्तित्व एवं समायोजन**-भारतीय दृष्टि में अन्त:करण चतुष्टय-मन, बुद्धि, चित्त एवं अहंकार की अवधारणा।संवेगात्मक एवं आध्यात्मिक बुद्धि के आधार।व्यक्तित्व विकास में पंचकोशो तथा गुण-सत्त्व, रजस एवं तमस की अवधारणा,भगवद्गीता में स्थित-प्रज्ञ एवं समत्व बुद्धि की अवधारणा-समायोजन की दृष्टि से महत्त्व एवं औचित्य।

सत्रीय कार्य :निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1.बुद्धि अथवा व्यक्तित्व सम्बन्धी सिद्धान्तों की वास्तविक जीवन में उपयोगिता पर विमर्शी प्रतिवेदन

2.सुविधा वंचित एवं अधिगम अक्षम बालकों के संदर्भ में समायोजन की युक्तियों पर कार्यशालाआधारित प्रतिवेदन।

3. किसी विद्यालय में प्रदत्त निर्देशन एवं परामर्श सेवाओं का अध्ययन एवं प्रतिवेदन निर्माण।

4. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ—


सिंह, (2006) अरूण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, भारती भवन, आगरा, उ.प्र.।

जायसवाल, सीताराम, (1990) भारतीय मनोविज्ञान और शिक्षा, आर्य बुक डिपो, दिल्ली।

पाण्डेय, के.पी., (2005) नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.उ.प्र.।

चौबे एस.पी.,(1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

पाण्डेय आर.एस., (1995) शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, उ.प्र.।

पाल, हंसराज, (2006) प्रगत शिक्षा मनोविज्ञान, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली वि.वि.।

गुप्ता, एस.पी., (2010) उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन,इलाहबाद।

मंगल, एस.के., (2006) शिक्षा मनोविज्ञान, प्रेन्टिस हाल आफ इंडिया प्रा. लि. नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी., (2011) शिक्षा मनोविज्ञान,पियर्सन एजुकेशन, नालेज पार्क, नोएडा, उ.प्र.।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2013) शिक्षा मनोविज्ञान के मूल तत्त्व, कनिष्का प्रकाशन,नई दिल्ली।

ओबराय, एस.सी., (2005)शैक्षिक तथा व्यासायिक निर्देशन एवं परामर्श, इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ(उ.प्र.)।

जायसवाल, सीताराम, (1988) शिक्षा निर्देशन और परामर्श, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,लखनऊ (उ.प्र.)।

इन्दुदवे एवं पाठक, (2000)निर्देशन के मूल तत्त्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर(राजस्थान)।

पाठक, आर.पी., (2018)शिक्षा मनोविज्ञान के परिप्रेक्ष्य अटलांटिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

भटनागर,आर.पी. एवं जौहरी मन्जू(2005), शिक्षा एवं मनोविज्ञान में निर्देशन और परामर्श,आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

शर्मा आर.ए एवं चतुर्वेदी शिखा(2007), शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श के मूल, आर.लाल.बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

दूबे, रमाकांत (1979), शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन के मूल सिद्धान्त, राजेश पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, (उ.प्र.)।

पाण्डेय, के.पी., एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2003) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, (उ.प्र.)।

Bandura, A. and Walters, (1936) R.H., Social Learning and Personality Development, Holt, Rinehart and Winston.
Chauhan S.S., (1998) Advanced Educational Psychology, Vikas Publishing House, New Delhi.
Mathur S.S., (2000) Educational Psychology (Hindi EditionAlso) Vinod Pustak Mandir, Agra.
Pandey, K.P., (1998) Advanced Educational Psychology; Konark Pub lishers, New Delhi.
Ausubel, D., (1963) The Psychology of Meaningful Verbal Learning, Grune and Stratton.
Hall, C.S and Lindzey, G., (1978) Theories of Personality, 3rd ed, Wiley.
**अन्तर्जाल स्रोत**:सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र -7. शैक्षिक अनुसन्धान में प्रदत्त विश्लेषण

## (Data Analysis in Educational Research)

कोर्स कोड = 223N | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक= 100

## कोर्सअधिगम परिणाम(CourseLearning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थीः-

- मापन के विभिन्न स्तरो से अवगत होकर प्रदत्तों के वर्गीकरण एवं प्रस्तुतिकरण में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे ।
- प्रदत्तों के वर्णनात्मक विश्लेषण में कुशलता प्राप्त कर सकेंगे ।
- प्रदत्तों के अनुमानपरक विश्लेषण एवं परिकल्पना परीक्षण की क्षमता विकसित कर सकेंगे ।
- गुणात्मक प्रदत्तों के विश्लेषण उपागमों का अनुप्रयोग कर सकेंगे ।
- शोध पत्र एवं शोध के विभिन्न प्रतिवेदनों के लेखन की कुशलता प्राप्त कर सकेंगे ।

पाठ्य–वस्तु **(Content)** **75 अंक**

**इकाई - १: प्रदत्तों का वर्गीकरण एवं प्रस्तुतिकरण -**

- मापन के स्तर नामित, क्रमित, अन्तरित अनुपातिक-अभिप्राय एवं लक्षण
- प्रदत्तों का वर्गीकरण -मात्रात्मक, गुणात्मक,कालक्रमिकएवं भौगोलिक
- गुणात्मक एवं मात्रात्मकप्रदत्तों की विशेषताएँ एवं अन्तर
- प्रदत्तों का प्रस्तुतिकरण - आरेख, ग्राफ, सारिणी तालिका
- आरेख- वृत्तचित्र, दण्डारेख, चित्रारेख (Picto Graph) मानारेख(Carto Graph)
- ग्राफ- स्तम्भाकृति, आवृत्ति बहुभुज, आवृत्ति वक्र, संचयी आवृत्ति वक, तोरण,**Scatter Diagram**
- संगणक का अनुप्रयोग

**इकाई - २: वर्णनात्मक विश्लेषण**(Descriptive Analysis)

- अभिप्राय, विशेषताएँ
- केन्द्रिय प्रवृत्ति के मान- मध्यमान, मध्यांक, बहुलांक
- स्थिति सूचना मान- चतुर्थांक, दशांक, प्रतिशतांक, प्रतिशतीय क्रमांक
- विचलनशीलता के मान- प्रसार, चतुर्थांक विचलन, मानक विचलन, प्रसरण
- सहसम्बन्ध गुणांक- स्पीयरमैन श्रेणी क्रमान्तर विधि (Spearman's Rank Order Difference Method) पियरसन गुणन आघूर्ण सहसंबंध गुणांक (Pearson's Product Moment Correlation Coefficient)

**इकाई - ३: अनुमानपरक विश्लेषण**( Inferential Statistics)

- सामान्य प्रायिकता वक्र- अभिप्राय, विशेषताएँ एवं अनुप्रयोग

- केन्द्रिय सीधा प्रमेय, मानक त्रुटि
- परिकल्पना परीक्षण के सोपान- सांख्यिकीय परीक्षण का चयन, सार्थकता स्तर, निरस्तता क्षेत्र, क्रान्तिक मान, मुक्तांश, गणना, निष्कर्ष ज्ञापन, एक पुच्छीय एवं द्वि-पुच्छीय परीक्षण, टाइप-। एवं टाइप-।। त्रुटि
- प्राचलिक विश्लेषण - मान्यताएँ, t-परीक्षण, प्रसरण विश्लेषण (ANOVA)
- अप्राचलिकविश्लेषण- मान्यताएँ, काई वर्ग विश्लेषण,Mann Whitney U Testø (फाई), Coefficient.

### इकाई - ४: गुणात्मक विश्लेषण

- आधार सामग्री के स्रोत एवं प्रकार- क्षेत्र टिप्पणी (Field Note), अभिलेख (Document),प्रतिलिपि (Transcript), चित्र एवं प्रतिमा (Photo and Image)
- गुणात्मक विश्लेषण के उपागम- सम्प्रत्यय विश्लेषण (Concept Analysis), कथ्यपरक विश्लेषण (Thematic Analysis),संवाद विश्लेषण (Discourse Analysis),व्याख्यात्मक घटना विश्लेषण (Interpretative phenomenological Analysis) रचनावादी विश्लेषण (Constructivist Analysis)
- सोपान- आधार सामग्री का व्यवस्थीकरण, अन्वेषण एवं कूट संकेतन, विषयवस्तु एवं विवरण निर्माण हेतु कूट संकेतन का प्रयोग, गुणात्मक निष्कर्षों का प्रस्तुतिकरण एवं प्रतिवेदन, निष्कर्षों की व्याख्या एवं वैधता का निर्धारण- त्रिभुजीकरण, बाह्य परीक्षण, समूह सदस्यों द्वारा जाँच।

### इकाई -५: अनुसन्धान प्रारुप एवं प्रतिवेदन लेखन

- अनुसन्धान प्रारुप- शोध संक्षिप्तिका, लघु शोध प्रबन्ध, शोध प्रबन्ध, शोध सार, शोध पत्र, संगोष्ठी पत्र के लिए प्रारुपों का विवरण ।
- प्रतिवेदन लेखन के ध्यातव्य बिन्दु- भाषा शैली, विषय वस्तुसंगठन, अध्याय प्रारुप, पृष्ठांकन, प्रतिवेदन का आकार, पाद टिप्पणी, यांत्रिक पक्ष तालिका, सारिणी एवं आरेखों का प्रस्तुतिकरण ।
- संदर्भ सूची, परिशिष्ट

**सत्रीय कार्य** :निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. मात्रात्मक एवं गुणात्मक शोधों पर आधारित प्रकाशित शोध लेखों का संक्षिप्तीकरण एवं प्रस्तुति।
2. प्रदत्त विश्लेषण आधारित अभ्यास-गुणात्मक एवं मात्रात्मक दोनों शोधों के संदर्भ में।
3. शोध प्रतिवेदनों के उदाहरण, उनका समीक्षात्मक अध्ययन एवं अनुवर्ती रूप में लघु अंशों के लेखन कौशल पर केन्द्रित अभ्यास।

**अध्येय ग्रन्थ–**

पाण्डेय, के.पी., (1998) शैक्षिक अनुसन्धान, विश्व विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

त्रिपाठी, एल.बी.एवं भार्गव, (1998) मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा।

गुप्ता, एस.पी., (1998) शिक्षा में सांख्यिकी, शारदा, पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

पाण्डेय, के.पी.(1998) शिक्षा तथा मनोविज्ञान में सांख्यिकी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का

प्रकाशन,नई दिल्ली।

गुप्ता, एस.पी., (2012) अनुसंधान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

शर्मा आर.ए.(2007) शिक्षा मापन के मूल तत्व एवं सांख्यिकी, आर.लाल बुक डिपो मेरठ।

Pandey, K.P., (2005) Fundamentals of Educational Research, Vishwavidyalaya Prakashan, Varanasi.

Best John w., (2000) Research in Education, Prentice Hall, Inc, New Delhi.

Kerlinger F.N., (2000) Foundations of Behaviroal Research, Surjeet Publications, Kaml Nagar, New Delhi.

Keeves, J.P., (1990) Educational Research Methodology and Measurement, International Handbook, Pergamon Press. New York.

Pathak, R.P. (2011). Research in Psychology and Education, Pearson Education, New Delhi.

Guilford & Fruchter.(1987) Fundamental Statistics in Psychology & Education, McGraw Hill,New Delhi.

Sidney and Seigal, (1956) Non-Parametric Statistics, McGraw Hill Book Co. NewDelhi.

Creswell JohnW.(2011) Educational Research, Pearson Education, New Delhi.

Levin Jack & Fox J.A (2012) Elementary Statistics in Social Reseach,Pearson Education New Delhi.

Mangal, S.K. & Mangal, S (2015), Research Methodology in Behavioral Sciences, PHI Learning Pvt. Delhi.

Garrett, H.E (1982) Statistics in Psychology and Education, Vakils, Feffer and Simons Pvt. Ltd. Bombay.

**अन्तर्जाल स्रोत:-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 8 अध्यापक-शिक्षा

## (Teacher Education)

कोर्स कोड = 224

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04

कुल अंक = 100

### कोर्स अधिगम परिणाम ( Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- अध्यापक शिक्षा की समस्याओं एवं उनके निराकरण हेतु समीक्षात्मक परिप्रेक्ष्य का विकास कर सकेंगे।
- अध्यापक शिक्षा में विविध स्तरों पर अध्यापक प्रशिक्षण के समन्वय पर समग्रदृष्टि का विकास कर सकेंगे।
- अध्यापक शिक्षा की सेवापूर्व एवं सेवारत पद्धतियों में अपेक्षित सुधार के प्रति संवेदनशीलता का विकास कर सकेंगे।
- विभिन्न देशों को अध्यापक शिक्षा के तुलनात्मक स्वरूप से भारतीय संदर्भ में निहितार्थ समझने की योग्यता का विकास कर सकेंगे।

### पाठ्य--वस्तु (Content)

75 अंक

**इकाई - १ : अध्यापक शिक्षा-** सम्प्रत्यय, उद्देश्य क्षेत्र। अध्यापकशिक्षा का उद्भव एवं विकास, पूर्वप्राथमिक, प्रारम्भिक, माध्यमिक एवं उच्चतर स्तर पर अध्यापक-शिक्षा के उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम। अध्यापक शिक्षा का विकास-प्राचीनकाल, मध्यकाल, ब्रिटिशकाल एवं स्वातन्त्र्योत्तर भारत में गठित आयोगों तथा समितियों के सुझाव-संस्कृत आयोग (1956), कोठारी आयोग (1964-66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति(1968), नई शिक्षा नीति एवं कार्य योजना (1986,1992), डेलक्रस रिपोर्ट (1996), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-अध्यापकशिक्षा (NCF-TE) 78,88,98 2009 और NEP-2020 के सन्दर्भ में, NCF-2023

**इकाई - २ : अध्यापक-शिक्षा का वृत्तिपरक विकास-** वृत्ति के रूप में अध्ययन। अध्यापक-शिक्षा के केन्द्रीय और राज्यस्तर पर संगठन और इनकी भूमिका- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC), राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (NCERT), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (NIEPA), राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (NCTE), अध्यापकशिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रस्तरीय स्वयंसेवी संगठन, क्षमता आधारित अध्यापक शिक्षा, सफल अध्यापक, शिक्षक प्रशिक्षक के गुण (प्राचीन तथा अर्वाचीन संदर्भों में) सतत् शिक्षक विकास कार्यक्रम (Continuous Teacher Development Programme)।

**इकाई - ३ : अध्यापक शिक्षा के विविध उपागम-** निजीकरण, अध्यापक शिक्षा की समस्याएं। सेवाकालीन प्रशिक्षण, पूर्वसेवाकालीन प्रशिक्षण। दूरस्थ शिक्षा, मानवसंसाधन विकास। शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक (NPST National Professional Standard for Teachers) । गुणवत्ता आश्वासन (Quality Assurance), आन्तरिक मूल्यांकन एवं प्रचलित युक्तियाँ, शल्मैन SCHULMAN, डेंग

(ZONGYI DENG) एवं एलन ल्यूक (ALLAN LUKE) तथा हेबरमैन (HABERMAN) के दृष्टिकोण से शिक्षा के ज्ञानाधार को समझना ।

**इकाई - ४ : अध्यापक-शिक्षा-प्रशिक्षण कार्यक्रमों का तुलनात्मक विवेचन-** ऐतिहासिक, प्रयोजनमूलक, संरचनात्मक एवं पाठ्यक्रमीय कार्यक्रमान्तर्गत भारत, अमेरिका, इंग्लैण्ड, फिनलैन्ड, सिंगापुर देशों के सन्दर्भ में। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केन्द्र- उद्देश्य, महत्व, कार्यक्रम- प्रभावी शिक्षक के विकास हेतु शिक्षणाभ्यास का आयोजन- ब्लॉक एवं इन्टर्नशिप, शिक्षणाभ्यास की प्रणाली एवं समस्याएं। अभ्यासपाठों का निरीक्षण, अवलोकन एवं मूल्यांकन, प्रशिक्षण प्रतिपुष्टि अवधारणा एवं प्रकार।

**इकाई - ५ : अध्यापक शिक्षा आधारित अनुसंधान-** शिक्षण प्रभावशीलता। अध्यापक व्यवहार में आशोधन की युक्तियां। विद्यालय परिवेशगत प्रभावशीलता। अध्यापक शिक्षा में नवाचार-पाठ्यक्रम, मूल्यांकन एवं प्रबन्धन से संबधित नवाचार।

**सत्रीय कार्य** : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. अध्यापक शिक्षा की संस्थाओं DIET यथा-डाइट, CTE, IASE में से किन्हीं एक की प्रभाविता पर व्यष्टि अध्ययन करना।
2. भारतीय संदर्भ में अध्यापक शिक्षा पर समूह परिचर्चा।
3. राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की गतिविधियों पर आधारित विचारावेश सत्र आयोजित करना।
4. अध्यापक शिक्षा के गुणात्मक सुधार के विविध आयामों पर केन्द्रित कार्यशाला का आयोजन करना।

**अध्येय ग्रन्थ–**


शुक्ल, रमाशंकर, (1989) शिक्षक-शिक्षा दशा एवं दिशा, अक्षत प्रकाशन उदयपुर, राजस्थान।

ओड, एल.के., (1998) शिक्षा में नूतन आयाम, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

मेहता, चतरसिंह, (1973) शिक्षक प्रशिक्षण के सिद्धान्त एवं समस्यायें, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर।

श्रीवास्तव शंकर शरण,(1988) शिक्षा में नवाचार एवं आधुनिक प्रवृत्तियाँ, हरप्रसाद भार्गव प्रकाशन, आगरा, उ.प्र.।

शर्मा आर0ए0 एवं चतुर्वेदी शिखा, (1983) अध्यापक शिक्षा, लायल बुक डिपो मेरठ, उ.प्र.।

मेहता एवं जोशी, (2001)अध्यापक शिक्षा, Vol I & II , राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) पाठ्यचर्चा, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

सक्सेना, एन.आर. (2002) अध्यापक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

प्रहलाद, जोशी - (1997) अध्यापक शिक्षा R.S. Vidyapeetha, Tirupati, (A.P)

Primary,Secondary, Teacher Education Curriculum, Publication, Department, NCERT,New Dehli.

Teacher Education Curriculum " A Frame Work , Publication Department, NCERT, New Delhi.

Pandey, B.N & Khosla, D.N, (1986) Student Teaching and Education, NCERT, New Delhi.

New Policy Education, (1986) Govt. of India, New Delhi.

Chakrawarti Mohit (2005) Teacher Education, Kanikshka Publisher, New Delhi.
Sharma, Shashi Prabha (2010) Teacher Education, Kanishka Pubisher, New Delhi.
Sheela, Mangla, (2000) Teacher Education, Radha Publication, New Delhi.
Dixit, S.S.(1990) Teacher Education in Modern Democracy, Sterling Publishers, New Delhi.
Mukherjee,S.N.(1985) Education of Teachers in India (Vol I & II), S.Chand & Co, Delhi.
Report on Education Commission (1992) (Chapters on Teacher Education) Govt. of India, New Delhi.
Pathak R.P. (2006) Education in the Emerging India, Atlantic Publishers, Delhi
Pathak R.P. (2018) Teacher Education Kaniksha Publishers, New Delhi.

**अन्तर्जाल स्रोत:-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# शिक्षाचार्य ( एम.एड. ) पाठ्यक्रम

## तृतीय सेमेस्टर

## शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
## तृतीय सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500

कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स संख्या (course No.) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे / सप्ताह (Hours/ weeks) | घण्टे / सेमेस्टर (Hours/ Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | **Theory (सैद्धान्तिक)** | | **200** | 8 | 10 | 200 |
| 241 | 9 | विशेषज्ञता विषय (Specialization) | विशेषज्ञता (Specialisation) (निम्नलिखित में से कोई एक) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 241- क | 9-I | प्रारम्भिक शिक्षा (Elementary Education)<br>या | | | | | |
| 241- ख | 9-II | माध्यमिक शिक्षा (Secondary Education) | | | | | |
| 242 | 10 | विशिष्ट प्रकरण आधारित वैकल्पिक (Theme Based Elective) विशेषज्ञता आधारित खण्डों में से कोई एक। | | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| | **10- क** | **प्रारम्भिक शिक्षा में (In Elementary Education)** | | | | | |
| | 10-क(i) | पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development) | | | | | |
| | 10-क(ii) | शैक्षिक प्रबन्धन. एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership) | | | | | |
| | 10-क(iii) | अधिगम आकलन (Learning Assessment)<br>**या (Or)** | | | | | |
| | **10- ख** | **माध्यमिक शिक्षा में (In Secondary Education)** | | | | | |
| | 10-ख(i) | पाठ्यक्रम विकास (Curriculum Development) | | | | | |
| | 10-ख(ii) | शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व (Educational Management & Leadership) | | | | | |
| | 10-ख(iii) | अधिगम आकलन (Learning Assessment) | | | | | |
| 243 | | **संस्था सम्बद्धता (Institution Attachment)** | | **200** | **8** | | **8 Weeks** |
| (i) | | अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता (Teacher Education Institutional Attachment) | | 100 | 4 | - | 4 weeks |
| (ii) | | विशेषज्ञता आधारित संस्था सम्बद्धता (Specialisation based Institution Attachment) | | 100 | 4 | - | 4 weeks |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 251N | प्रायोगिक (Practicum) | प्रायोगिक (Practicum) | 100 | 04 | 08 | 160 |
| (i) | विशेषज्ञता क्षेत्र आधारित राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय किन्ही दो संस्थाओं के पाठ्यक्रमों/प्रबंधन/आकलन उपागमों का तुलनात्मक अध्ययन। | | 20 | | | |
| (ii) | संबन्धित साहित्य सर्वेक्षण एवं प्रस्तुतीकरण | | 20 | | | |
| (iii) | गुणात्मक / मात्रात्मक प्रदत्त विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण | | 20 | | | |
| (iv) | विद्यालय सम्बद्धता प्रशिक्षण के समय बी.एड. विद्यार्थियों का पर्यवेक्षण। | | 20 | | | |
| (v) | सेमेस्टर आधारित अन्तर्वस्तु परक संगोष्ठी एवं पत्र प्रस्तुति। | | 20 | | | |
| 252 | शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities) | अनिवार्य Compulsory | 50 | 2* | 80% उपस्थिति (80%Attandance) | |
| (i) | वृत्तिक एवं उपबोधन कार्यक्रम। | | | | | |
| (ii) | सूक्ष्म शिक्षण कक्षाओं का अवलोकन | | | | | |
| (iii) | खेल–कूद | | | | | |
| (iv) | संस्कृत सप्ताह | | | | | |

# प्रश्नपत्र - 9 - I प्रारम्भिक शिक्षा

## (Elementary Education)

कोर्स कोड = 241 (क) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- प्रारम्भिक स्तर पर विद्यालयों के प्रभावपूर्ण नियोजन एवं संचालन की दक्षता विकसित कर सकेंगें।
- समान स्तरीय संस्थाओं के साथ प्रारम्भिक शिक्षा के बीच सम्बन्धों के सम्प्रत्ययात्मक अवबोध का विस्तार कर सकेंगें ।
- आवश्यकता आधारित पाठ्यक्रम एवं अनुदेशनात्मक रणनीतियों के अभिकल्प हेतु कौशलों का विकास कर सकेंगें ।
- अधिगम संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग कर सकेंगे।
- प्रारम्भिक स्तर के कार्यक्रमों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये नवाचारी कौशलों को प्रोत्साहित कर सकेंगें।

## पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई १ : प्रारम्भिक शिक्षा** - अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता ,महत्व, संरचना (अधिगमकर्त्ता और उनकी सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि) प्रभावी शिक्षण अधिगम का आयोजन तथा प्रारम्भिक शिक्षा कार्यक्रमों का विकास, निहितार्थ एवं राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 के अनुसार संरचना ।

**इकाई २ : प्रारम्भिक शिक्षा का पाठ्यक्रम**- पूर्व प्राथमिक तथा प्रारम्भिक विद्यालयों के लिए आवश्यकता, कार्य, NCF 2005 के तहत निर्मित पाठ्यक्रम । प्रारम्भिक स्तर की पाठ्य वस्तु की समीक्षा, RTE ACT 2001 की समीक्षा, यशपाल कमेटी की संस्तुतियाँ, राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 के अनुसार पाठ्यक्रम ।

**इकाई ३ : अधिगम एवं शिक्षण** - शिक्षण अधिगम के रचनात्मक उपागम, प्रभावी शिक्षण हेतु प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष शिक्षण अधिगम रणनीतियाँ, अधिगमकर्ता द्वारा कार्य को प्रारम्भ करने की क्षमता का उन्नयन तथा उनका निहितार्थ एवं राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 के अनुसार अधिगम एवं शिक्षण ।

**इकाई ४ : प्रारम्भिक स्तर पर अधिगम संसाधन**- अधिगम संसाधनों की आवश्यकता, महत्व एवं प्रकार अधिगम सामग्री का विकास, अधिगम किट, अधिगम क्लब, (TLM) एवं राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 के अनुसार अधिगम संसाधन ।

**इकाई ५ : प्रारम्भिक शिक्षा में अभिकरण एवं नवाचारी प्रवृत्तियां** - भारत में शिक्षा स्तरीय नीतियों तथा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सम्मिलित औपचारिक तथा अनौपचारिक अभिकरण एवं भूमिका । महत्वपूर्ण मध्यस्थता कार्यक्रमों (Intervention Programme) की समीक्षा: यथा-समग्र शिक्षा अभियान, समर्थ शिक्षा अभियान, सर्वशिक्षा अभियान- मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम, नि:शुल्क बालिका शिक्षा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 के अनुसार नवाचारी प्रवृत्तियां ।

सत्रीय कार्य - **निम्नलिखित में से कोई दो** 25 अंक

1. प्रारम्भिक शिक्षा स्तर की वरीयताओं तथा कार्यक्रम में सुधार हेतु कार्य योजना का विकास।
2. प्रारम्भिक स्तर की चयनित संस्थाओं का अध्ययन करना।
3. प्रारम्भिक स्तर की शीर्ष स्तरीय संस्थाओं का भ्रमण तथा संस्थागत पार्श्वचित्र का निर्माण।
4. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–


लाल, रमण बिहारी एवं शर्मा, कृष्णकान्त (2010) भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएं आर. लाल बुक डिपो मेरठ, उ.प्र.।

शिक्षा नीति 1986,1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली।राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, 2009, 2023 एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

भटनागर, सुरेश (2005) आधुनिक भारतीय शिक्षा और उनकी समस्याएं, आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.

Bhat, B.D. & Sharma, S.R (1992) Principles of Curriculum Construcation, Kanishka Publication House, New Delhi.

Mamidi, M.R & Ravishankar, S (1984) Curriculum Development & Educational Technology, Sterling Publishers, New Delhi.

NEP-2020, Document of Govt.of India, New Delhi.

Pathak, R.P.(2021) Education in Contemporary India, Kaniksha Publishers, New Delhi.


**अन्तर्जाल स्रोतः-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 9 - II माध्यमिक शिक्षा

## (Secondary Education)

कोर्स कोड = 241 (ख) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- माध्यमिक स्तर की संस्थाओं के मुद्दों एवं चुनौतियो को हल करने में विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- माध्यमिक स्तर की संस्थाओं द्वारा संचालित मध्यस्थता कार्यक्रमों के प्रभावकारी क्रियान्वयन हेतु दक्षता विकसित कर सकेंगे।
- माध्यमिक शिक्षा स्तर पर गुणवत्ता हेतु संवेदनशीलता विकसित कर सकेंगे।
- माध्यमिक स्तर पर नवाचारी प्रवृत्ति तथा मानसिकता युक्त अध्यापक तैयार हो सकेंगे।

## पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई १ : भारत में माध्यमिक शिक्षा**- उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्व,नीति निर्धारक संस्थाएँ एवं उनकी भूमिका, NCERT, CIET, CBSE विभिन्न आयोगों तथा समितियों की संस्तुतियों का पुनरावलोकन(आवश्यकता एवं क्रियान्वयन) माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण(RMSA), NEP-2020.

**इकाई २ : माध्यमिक शिक्षा के अभिकरण**- अधिगमकर्ता की आवश्यकताएँ एवं उनकी अपेक्षाएँ, विशिष्ट बालक-बालिकाओं की समस्याओं का निदान एवं समाधान। औपचारिक एवं अनौपचारिक अभिकरण।

**इकाई ३ : माध्यमिक शिक्षा पाठयक्रम**- NCF-2005 के निहितार्थो का प्रयोग। विषय केन्द्रित बनाम अनुभव केन्द्रित पाठयक्रम उपागम, पाठयक्रम अभिकल्प निर्माण में रचनावादी उपागम के निहितार्थ। मानवतावादी पाठ्यक्रम: उद्देश्य, विशेषताएँ, शिक्षक की भूमिका एवं कक्षागत परिस्थितियों के लिए निहितार्थ।

**इकाई - ४ : माध्यमिक स्तर पर शिक्षण - अधिगम** - रचनावादी उपागम के अन्तर्गत शैक्षिक प्रतिमान, सर्जनात्मक एवं खोजपरक शिक्षण रणनीतियाँ, जीवन कौशल की शिक्षा, समुदाय आधारित कार्यक्रम, सूचना सम्प्रेषण तकनीकी अधिगम संकुल।

**इकाई - ५ : माध्यमिक स्तर पर आकलन एवं गुणवत्ता प्रबन्धन**- मापन, आकलन एवं मूल्यांकन (स्वआकलन, सहपाठी आकलन, अध्यापक आकलन), सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन, रणनीतिक नियोजन, स्वाक SWOC विश्लेषण, नेतृत्व शैली, जोहरी विण्डों।

**सत्रीय कार्य :- निम्नलिखित में कोई दो** **25 अंक**

1. विभिन्न संगठनों यथा- केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद CBSE तथा विभिन्न शैक्षिणिक परिषदों द्वारा सहायित किसी विशिष्ट माध्यमिक स्तरीय संस्था का व्यष्टि अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तरीय संस्था की शक्तियों तथा कमियों को उजागर करने हेतु स्वाक विश्लेषण।
3. प्रभावपूर्ण माध्यमिक स्तरीय संस्था की केस फाइल निर्माण तथा नवाचारी संस्थाओं के भ्रमण पर आधारित प्रतिवेदन बनाना।

4. माध्यमिक स्तरीय संस्था में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रभावी क्रियान्वयन पर क्रियात्मक अनुसन्धान परियोजना।

5. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य

**अध्येय ग्रन्थ–**

लाल, रमण बिहारी एवं शर्मा, कृष्णकान्त (2006) 21 वीं शताब्दी के सन्दर्भ में भारत में माध्यमिक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.।

रानी, नीलम एवं शर्मा, दीपक (2006) भारत में माध्यमिक शिक्षा का परिदृश्य , आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.।

लाल, रमण बिहारी (2002) भारत में माध्यमिक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो.मेरठ,उ.प्र.।

शर्मा, आर.ए. (1995): सूचना सम्प्रेषण एवं शैक्षिक तकनीकी,आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

भटनागर सुरेश एवं कुमार संजय (2010) भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, 2009 एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

Bhat, B.D. & Sharma, S.R (1992) Principles of Curriculum Construcation, Kanishka Publication House, New Delhi.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, भारत सरकार, नई दिल्ली।

Pathak, R.P.(2021) Education in Contemporary India, Kaniksha Publishers, New Delhi

**अन्तर्जाल स्रोत:-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 10 - क ( i ) प्रारम्भिक शिक्षा में पाठ्यक्रम विकास

## (Curriculum Development in Elementary Education)

कोर्स कोड = 242 **क** (i) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- पाठ्यक्रम के आधारभूत तत्त्वों एवं सिद्धान्तों का अवबोध कर सकेंगे।
- पाठ्यक्रम विकास की चार अवस्थाओं यथा नियोजन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन का अवबोध कर सकेंगे।
- प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण करने की दक्षता का विकास कर सकेंगे।
- प्रारम्भिक स्तर पर शिक्षा में प्रयुक्त पाठ्यक्रमों का राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य की अपेक्षाओं के अनुरूप मूल्यांकन करने की दक्षता का विकास कर सकेंगे।

## पाठ्य--वस्तु (Content) — 75 अंक

**इकाई १ : पाठ्यक्रम एवं उसके आधार**- पाठ्यक्रम-अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत घटक, सिद्धान्त एवं प्रकार। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम परिप्रेक्ष्य (NCF) 2005 एवं NEP-2020, प्रारम्भिक शिक्षा पाठ्यक्रम के आधार-दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक।

**इकाई २ : पाठ्यक्रम नियोजन**- अभिप्राय, नियाजन के आधारभूत बिन्दु-विषय की प्रकृति, सामाजिक कारक, विकासात्मक कारक, शिक्षक सम्बन्धित कारक, संस्थागत कारक, पर्यावरणीय एवं अर्थशास्त्रीय कारक। प्रारम्भिक शिक्षा के स्तर के पाठ्यक्रम नियोजन के मुख्य कारक।

**इकाई ३ : पाठ्यक्रम निर्माण प्रक्रिया**- अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का निरूपण, विषयवस्तु निर्धारण, विषयवस्तु के सापेक्षित भार का विशिष्टीकरण, शिक्षण अधिगम व्यूह रचनाओं का चयन, सन्दर्भ ग्रन्थ सामग्रियों का चयन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया का विशिष्टीकरण। प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा से सम्बन्धित किसी पाठ्यक्रम निर्माण पर आधारित दृष्टान्तीकरण।

**इकाई ४ : पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान एवं क्रियान्वयन**- चयनित प्रतिमान--(टाइलर प्रतिमान, ताबा प्रतिमान, सेलर और अलेक्जैन्डर, मिलर और सेलर प्रतिमान, रोजर्स प्रतिमान, ओपन क्लासरूम प्रतिमान) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन-विषयवस्तु विश्लेषण, इकाई अभिकल्पन और उपयुक्त प्रस्तुतीकरण माध्यम।

**इकाई ५ : पाठ्यक्रम मूल्यांकन ( प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के सन्दर्भ में )**- अवधारणा, सूक्ष्म एवं बृहद स्तर, विधियाँ, संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन के संदर्भ में पाठ्यक्रम मूल्यांकन। मानक एवं निकष संदर्भित उपागम आधारित पाठ्यक्रम मूल्यांकन। केन्द्रिय एवं राजकीय बोर्ड की प्रारम्भिक स्तर के पाठ्यक्रमों की तुलनात्मक समीक्षा।

**सत्रीय कार्य - निम्नलिखित में से कोई दो** — **25 अंक**

1. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी एक विषय के उप-विषयों पर सापेक्षित भार के विशिष्टीकरण पर आधारित दत्त कार्य।
2. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय के पाठ्यक्रम की समीक्षा पर आधारित दत्त कार्य।

3. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण।

4. विभिन्न शिक्षा बोर्ड के प्रारम्भिक स्तर की किसी शिक्षा किसी कक्षा के पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन।

5. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य

**अध्येय ग्रन्थ–**


1. पाल, हंसराज एवं पाल, राजेन्द्र, (2006) पाठ्यचर्या कल आज और कल, शिप्रा पब्लिकेशन, विकास मार्ग, दिल्ली
2. यादव सियाराम, (2008) पाठ्यक्रम विकास, अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा -2
3. पाण्डेय, के.पी. (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. गुप्ता, एस.सी. (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
5. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2012) पाठ्यचर्या निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. NCF-2005, 2009, NCERT, New Delhi
7. Bhutt B.D. And Sharma, S.R., (1992) Principles of Curriculum Construction, Kanishka Publishing House, New Delhi.
8. Aggarwal, J.C., (1990) Curriculum Reforms in India, Doaba House Delhi
9. Manidi M.R. and Ravishankar S., (1984) Curriculum Development And Education Technology, Sterling Publisher, New Delhi.


**अन्तर्जाल स्रोत:-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

## प्रश्नपत्र -10 -क (ii) प्रारम्भिक शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व

**(Educational Management & Leadership in Elementary Education)**

कोर्स कोड = 242 **क** (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

### कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- शैक्षिक प्रबन्धन के विविध उपागमों, सिद्धान्तों एवं कार्यों की व्याख्या कर सकेंगे ।
- प्रारम्भिक स्तर के शैक्षिक नेतृत्व की शैलियों प्रकारों एवं सिद्धान्तों का वर्णन कर सकेंगे ।
- प्रारम्भिक स्तर पर शैक्षिक गुणवत्ता प्रबंधन के विभिन्न घटकों का विश्लेषण कर सकेंगे ।
- प्रारम्भिक स्तरीय शैक्षिक प्रबन्धन के विभिन्न तकनीकियों का उदाहरण दे सकेंगे
- प्रारम्भिक शिक्षा सम्बन्धी अधिनियमों, संस्थाओं एवं कार्यक्रमों को संदर्भित कर सकेंगे ।

### पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई १ शैक्षिक प्रबन्धन-** अवधारणा, प्रबन्धन एवं प्रशासन में अन्तर, प्रबन्धन के सिद्धान्त, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में प्रबन्धन के उपागम, प्रबन्धन के कार्य (POSDCORB) संस्थागत अनुपालन, संस्थागत विकास एवं संस्थागत वातावरण ।

**इकाई २ : शैक्षिक प्रबन्धन में नेतृत्व-** अवधारणा, शैली: विषय आधारित, अभिवृत्ति आधारित, व्यवहार आधारित तथा परिस्थितिगत । नेतृत्व के सिद्धान्त और प्रकारों का शैक्षिक सन्दर्भ में प्रभावी प्रबन्धन हेतु इनका अनुप्रयोग NEP 2020 के परिप्रेक्ष्य में।

**इकाई ३ : शैक्षिक प्रबन्धन में गुणवत्ता-** गुणवत्ता की अवधारणा, शिक्षा में गुणवत्ता, गुणवत्ता नियन्त्रण, गुणवत्ता आश्वासन। सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन (TQM) : अवधारण, तत्व, सोपान तथा भारतीय शैक्षिक सन्दर्भ में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन।

**इकाई ४ : प्रबन्धन में क्षमता संवर्द्धन-** प्राथमिक स्तर के प्रबन्धन में प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों की क्षमता विकास के संकेतक (Performance Indicator) क्षमता संवर्धन हेतु स्वाक (SWOC) विश्लेषण। सतत् विकास परक मूल्यांकन, केजनिंग। क्रियात्मक अनुसन्धान द्वारा क्षमता विकास। Can do, will do Analysis (सक्षमता एवं विश्लेषण)।

**इकाई ५ : प्रारम्भिक शिक्षा सम्बन्धित अधिनियम, संस्थाएँ एवं कार्यक्रम-** R.T.E Act-2009, NCERT, SCERT, DIETs, बिना बोझ के शिक्षा, समग्र शिक्षा अभियान, मध्याह्न भोजन योजना, ( Mid Day Meal)।

**सत्रीय कार्य**- निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. विद्यालय या कक्षा आधारित स्वाक विश्लेषण एवं प्रतिवेदन।
2. प्रारम्भिक शिक्षा में सम्बन्धित किसी एक संस्था के प्रयासों/ कार्यक्रम/ अभियान की समीक्षा आधारित दत्त कार्य।
3. विद्यालय स्तरीय प्रबन्धन से सम्बन्धित समस्याओं पर परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।

अध्येय ग्रन्थ–


1. सुखिया, एस.पी., (1996) विद्यालय प्रशासन एवं संगठन- विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. कुदेसिया, उमेश चन्द्र, (1995) शिक्षा प्रशासन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. प्रसाद, केशव, (1998) विद्यालय व्यवस्था, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4. भारद्वाज, दिनेश चन्द्र, (2000) विद्यालय प्रशासन, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा ।
5. शर्मा, देवदत्त, (2001) शैक्षिक प्रबन्धन के मूल तत्त्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. जोशी, रजनी, (2000) विद्यालय प्रशासन एवं प्रबन्धन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
7. मुखोपाध्याय, एम., (2003) शिक्षा में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन, नीपा, नई दिल्ली।
8. पाठक, आर.पी., (2010) शैक्षिक प्रबन्धन, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. Bhatnagar & Agrawal, (2005) Educational Administration, Loyal Book Depot, Meerut.
10. पाठक, रमेश प्रसाद एवं शर्मा संजय, (2021) शैक्षिक नियोजन एवं प्रशासन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. शर्मा, आर.ए., (1995) शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन, आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)
12. ओड, एल.के., (1990) शैक्षिक प्रबन्ध, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर


**अन्तर्जाल स्रोतः-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 10 - क (iii) प्रारम्भिक शिक्षा में अधिगम आकलन

## (Learning Assessment in Elementary Education)

कोर्स कोड = 242 क (iii)

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04

कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- प्रारम्भिक शिक्षा में मापन, आकलन एवं मूल्यांकन की अवधारणाओं से अवगत हो सकेंगे।
- प्रारम्भिक शिक्षा में संज्ञानात्मक एवं संज्ञानेत्तर योग्यताओं के आकलनार्थ उपकरणों से परिचित हो सकेंगे।
- प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय हेतु उपलब्धि परीक्षण निर्माण क्षमता का विकास कर सकेंगे।
- प्रारम्भिक शिक्षा में सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के प्रारूप एवं कार्ययोजनाओं के प्रयोग की दक्षता विकसित कर सकेंगे।
- प्रारम्भिक शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों के सन्दर्भ में परीक्षा प्रणाली के सुधारात्मक प्रयासों को जान सकेंगे।

## पाठ्य–वस्तु (Content)

**75 अंक**

**इकाई १ : मापन, आकलन एवं मूल्यांकन** - अवधारणा, उद्देश्य, महत्व कार्य एवं तीनों में अन्तर। शिक्षा में मूल्यांकन प्रक्रिया- उद्देश्यों का निर्धारण, अधिगम क्रियाओं का आयोजन एवं व्यवहार परिवर्तन। मूल्यांकन के प्रकार-स्थानन **(Placement)** निदानात्मक, संरचनात्मक एवं योगात्मक (अभिप्राय, विशेषताएं, विधियाँ एवं अन्तर)।

**इकाई २ : प्रारम्भिक शिक्षा में मापन एवं आकलन के उपकरण एवं प्रविधि**- मापन के उपकरण-प्रश्नावली, परीक्षण अनुसूची, निर्धारणमापनी एवं उनकी विशेषताएं। निष्पादन आकलन-अभिप्राय, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं। पोर्टफोलियो आकलन- अभिप्राय, निर्माण, प्रयोग, गुण एवं सीमाएं।

**इकाई ३ : प्रारम्भिक शिक्षा में उपलब्धि परीक्षण** - प्रकार- निबन्धात्मक, वस्तु निष्ठ, प्रमापीकृत, अध्यापक निर्मित, गति एवं शक्ति परीक्षण ।

- परीक्षण निर्माण- योजना बनाना, ब्लू प्रिन्ट निर्माण, पद लेखन, पद विश्लेषण (विभेदन क्षमता एवं कठिनता स्तर) प्रश्नपत्र निर्माण, परीक्षण का मूल्यांकन।
- NRT एवं CRT - (अभिप्राय, विशषताएँ अन्तर) ।
- परीक्षण प्रशासन,- प्रतिवेदन एवं प्रतिपुष्टि।

**इकाई ४ :अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ**- व्यावहारिक एवं तकनीकी विशेषताएं- अभिप्राय एवं प्रकार विश्वसनीयता- परीक्षण पुनः परीक्षण, समतुल्य परीक्षण विधि, अर्धविच्छेद विधि, आन्तरिक संगतता गुणांक, Chronbach अल्फा गुणांक, Hoyt's विश्वसनीयता गुणांक। वैधता- विषयगत, अन्वय, समवर्ती, पूर्वकथन, तार्किक एवं कारकीय वैधता।

**इकाई ५ : प्राथमिक शिक्षा में परीक्षा प्रणाली** -

- सतत व्यापक मूल्यांकन

- रचनावादी परिप्रेक्ष्य में अधिगम आकलन-स्व आकलन, सहपाठी-आकलन, अध्यापक द्वारा आकलन, समुदाय आधारित आकलन।
- ग्रेड प्रणाली, प्रश्न बैंक सेमेस्टर प्रणाली।
- परीक्षा सुधार-सिद्धान्त एवं उसके बाधक तत्त्व। राष्ट्रीय समितियो के संदर्भ मे परीक्षा सुधार-नई शिक्षा नीति 1986, 1992, NEP-2020, प्राथमिक शिक्षा आयोग।
- PARAKH, SAFAL, SSA, HOIZSIIC 360•
- NISHTHA (National Intiative for School Heads, and Teachers Holistic Advancement)

**सत्रीय कार्य** - निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा में अध्यापित किसी एक विषय पर उपलब्धि परीक्षण निर्माण।
2. प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा में प्रयुक्त विभिन्न मापन एवं मूल्यांकन विधियों पर आधारित दत्त कार्य।
3. प्रारम्भिक स्तर के संज्ञानेतर पक्षों के मूल्यांकन पर आधारित परीक्षण निर्माण।

**अध्येय ग्रन्थ–**


1. गुप्ता, एस.पी., (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. अस्थाना, विपिन, (1999) मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. भार्गव, महेश, (1990) आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक डिपो, आगरा।
4. पाण्डेय, के.पी., (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. शर्मा, आर. ए. (2002) शिक्षा मापन के मूल तत्त्व एवं सांख्यिकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
6. नई शिक्षा नीति- 1986, 19992, NEP-2020 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
7. प्रो. यशपाल समिति 1991-92 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
8. प्रो. राममूर्ति समिति- 1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
9. पाठक, आर.पी. एवं मोहन, रचना वर्मा (2019) अधिगम आकलन मापन एवं मूल्यांकन, कनिष्क पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
10. Mehta, First Mental Measurement Handbook] NCERT, New Delhi.
11. Edward, (1969) Technique of Attituede Scale Construcation, Vakils, Feffer and Simons Pvt. Ltd. Bombay.
12. Thorndike And Hagen , (1970) Measurement and Evaluation in Psychology and Education: Wiley Eastern Pvt. Ltd., New Delhi.
14. Anastassi, (1982) Psychological Testing : Mc Millan Company, New York.
15. Bloom et.al., (1956) Taxonomy of Educational Objectives, Hand Book I, David Mc kay Company, New Delhi.
16. Simpson, (1988) The Classification of Educational Objectives, Psychomotor Domain Illinois Teachers of Home Economics.
17. Lindquist, Educational Measuremant, American Council on Education, Washington, D.C, U.S.
18. Pathak, R.P. (2010) Measurement and Evaluation in Education, Pearson Publication, New Delhi
19. UGC Examination Reform: A Plan of Action-1992


**अन्तर्जाल स्रोत:-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# प्रश्नपत्र - 10 ख ( i ) माध्यमिक शिक्षा में पाठ्यक्रम विकास

## (Curriculum Development in Secondary Education)

कोर्स कोड = 242 ख (i) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

### कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- पाठ्यक्रम के आधारभूत तत्त्वों एवं सिद्धान्तों का प्राप्त कर सकेंगे।
- पाठ्यक्रम विकास की चार अवस्थाओं यथा नियोजन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन का अवबोध कर सकेंगे।
- माध्यमिक स्तर पर शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण करने की दक्षता का विकास कर सकेंगे।
- माध्यमिक स्तर पर शिक्षा में प्रयुक्त पाठ्यक्रमों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य के अनुरूप मूल्यांकन करने की दक्षता का विकास कर सकेंगे।

### पाठ्य--वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई १ : पाठ्यक्रम एवं उसके आधार**- पाठ्यक्रम-अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत घटक, सिद्धान्त एवं प्रकार। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम संरचना (NCF)-2005 एवं NEP-2020, माध्यमिक शिक्षा पाठ्यक्रम के आधार-दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक।

**इकाई २ : पाठ्यक्रम नियोजन**- अभिप्राय, नियोजन के आधारभूत बिन्दु- विषय की प्रकृति सामाजिक, विकासात्मक कारक, शिक्षक सम्बन्धित कारक, संस्थागत कारक, पर्यावरणीय एवं अर्थशास्त्रीय कारक। माध्यमिक शिक्षा के स्तर के पाठ्यक्रम नियोजन के मुख्य कारक।

**इकाई ३ : पाठ्यक्रम निर्माण प्रक्रिया**- अनुदेशनात्मक उद्देश्यों का निरूपण, विषयवस्तु निर्धारण, विषयवस्तु के सापेक्षित भार का विशिष्टीकरण, शिक्षण अधिगम व्यूह रचनाओं का चयन, सन्दर्भ ग्रन्थ सामग्रियों का चयन तथा मूल्यांकन प्रक्रिया का विशिष्टीकरण, माध्यमिक स्तर की शिक्षा से सम्बन्धित किसी पाठ्यक्रम निर्माण पर आधारित दृष्टान्तीकरण।

**इकाई ४ : पाठ्यक्रम विकास के प्रतिमान एवं क्रियान्वयन**- चयनित प्रतिमान-(टाइलर प्रतिमान, ताबा प्रतिमान, सेलर और अलेक्जैन्डर, मिलर और सेलर प्रतिमान, रोजर्स प्रतिमान, ओपन क्लासरूम प्रतिमान) पाठ्यक्रम क्रियान्वयन-विषयवस्तु विश्लेषण, इकाई अभिकल्पन और उपयुक्त प्रस्तुतीकरण माध्यम।

**इकाई ५ : पाठ्यक्रम मूल्यांकन ( माध्यमिक स्तर की शिक्षा के सन्दर्भ में )**- अवधारणा, सूक्ष्म एवं बृहद स्तर, विधियाँ, संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन के संदर्भ में पाठ्यक्रम मूल्यांकन। मानक एवं निकष संदर्भित उपागम आधारित पाठ्यक्रम मूल्यांकन। केन्द्रिय एवं राजकीय बोर्ड की माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रमों की तुलनात्मक समीक्षा।

**सत्रीय कार्य - निम्नलिखित में से काई दो** **25 अंक**

1. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी एक विषय के उप-विषयों पर सापेक्षित भार के विशिष्टीकरण पर

आधारित दत्त कार्य।

2. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय के पाठ्यक्रम की समीक्षा पर आधारित दत्त कार्य।
3. माध्यमिक स्तर की शिक्षा के किसी विषय पर पाठ्यक्रम निर्माण।
4. विभिन्न शिक्षा बोर्ड के माध्यमिक स्तर की किसी कक्षा के पाठ्यक्रम का तुलनात्मक अध्ययन आधारित दत्त कार्य।
5. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य

अध्येय ग्रन्थ–


1. पाण्डेय, के.पी. (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. गुप्ता, एस.सी. (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
3. पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज अमिता पाण्डेय (2012) पाठ्यचर्या, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली
4. पाल, हंसराज एवं पाल, राजेन्द्र, (2006) पाठ्यचर्या कल आज और कल, शिप्रा पब्लिकेशन, दिल्ली
5. यादव सियाराम, (2008) पाठ्यक्रम विकास, अग्रवाल पब्लिकेशन आगरा
6. Bhutt B.D. And Sharma, S.R., (1992) Principles of Curriculum Construction, Kanishka Publishing House,New Delhi
7. Aggarwal, J.C., (1990) Curriculum Reforms in India, Doaba House Delhi
8. Manidi M.R. and Ravishankar S., (1984) Curriculum Development And Education Technology, Sterling Publisher, New Delhi.
9. NCF- 2005, 2009, NCERT, New Delhi
10. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, भारत सरकार, नई दिल्ली।


**अन्तर्जाल स्रोतः-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

## प्रश्नपत्र-10 - ख ( ii ) माध्यमिक शिक्षा में शैक्षिक प्रबन्धन एवं नेतृत्व

### (Educational Management & Leadership in Secondary Education)

कोर्स कोड = 242 ख(ii)

कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे प्रति सप्ताह

कुल अंक = 100

### कोर्स अधिगम परिणाम ( Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- शैक्षिक प्रबन्ध के विविध घटकों का वर्णन कर सकेंगे
- शैक्षिक नेतृत्व के विभिन्न शैलियों एवं प्रकारों का **NEP 2020** से सन्दर्भित कर सकेंगे ।
- शिक्षा में गुणवत्ता संबंधित विविध तत्वों का विश्लेषण कर सकेंगे।
- शैक्षिक प्रबन्धन में क्षमता संवर्धन के विभिन्न तकनीकियों का वर्णन कर सकेंगे ।
- माध्यमिक शिक्षा सम्बन्धी अधिनियमों, संस्थाओं एवं कार्यक्रमों को संदर्भित कर सकेंगे ।

### पाठ्य—वस्तु (Content)

**75 अंक**

इकाई १ **शैक्षिक प्रबन्धन-** अवधारणा, प्रबन्धन एवं प्रशासन में अन्तर, प्रबन्धन के सिद्धान्त, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में प्रबन्धन के उपागम, प्रबन्धन के कार्य (POSDCORB) संस्थागत अनुपालन, संस्थागत विकास एवं संस्थागत वातावरण।

**इकाई २ : शैक्षिक प्रबन्धन में नेतृत्व-** अवधारणा, शैली: विषयक आधारित, अभिवृत्ति आधारित, व्यवहार आधारित तथा परिस्थितिगत। नेतृत्व के सिद्धान्तों तथा प्रकारों का शैक्षिक सन्दर्भ में प्रभावी प्रबन्धन हेतु इनका अनुप्रयोग NEP 2020 के परिप्रेक्ष्य में ।

**इकाई ३ : शैक्षिक प्रबन्धन में गुणवत्ता-** गुणवत्ता की अवधारणा, शिक्षा में गुणवत्ता, गुणवत्ता नियन्त्रण, गुणवत्ता आश्वासन। सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन (TQM) : अवधारणा, घटक, सोपान तथा भारतीय शैक्षिक सन्दर्भ में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबन्धन।

**इकाई ४ : प्रबन्धन में क्षमता संवर्धन-** माध्यमिक स्तर के प्रबन्धन में प्रधानाध्यापकों एवं अध्यापकों की क्षमता विकास के संकेतक (Performance Indicator) क्षमता संवर्धन हेतु स्वाक (SWOC) विश्लेषण। सतत् विकास परक मूल्यांकन, केजंनिग। क्रियात्मक अनुसन्धान द्वारा क्षमता विकास। Can do, will do Analysis (सक्षमता एवं विश्लेषण)।

**इकाई ५ : माध्यमिक शिक्षा सम्बन्धित अधिनियम, संस्थाएँ एवं कार्यक्रम-** NCERT, SCERT, NCTE, NIOS, समग्र शिक्षा अभियान ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड, मध्याह्न भोजन योजना, ( Mid day Meal) ।

### सत्रीय कार्य- निम्नलिखित में से कोई दो

**25 अंक**

1. विद्यालय या कक्षा आधारित स्वाक विश्लेषण एवं प्रतिवेदन।
2. माध्यमिक शिक्षा में सम्बन्धित किसी एक संस्था के प्रयासों/ कार्यक्रम/ अभियान की समीक्षा आधारित

प्रतिवेदन निर्माण ।

3. विद्यालय स्तरीय प्रबन्धन से सम्बन्धित समस्याओं पर परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।

4. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य

अध्येय ग्रन्थ–


1. सुखिया एस.पी., (1996) विद्यालय प्रशासन एवं संगठन- विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
2. कुदेसिया, उमेश चन्द्र, (1995) शिक्षा प्रशासन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. प्रसाद, केशव, (1998) विद्यालय व्यवस्था, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4. भारद्वाज, दिनेश चन्द्र, (2000) विद्यालय प्रशासन, विनोद पुस्तक भंडार, आगरा ।
5. शर्मा, देवदत्त, (2001) शैक्षिक प्रबन्धन के मूल तत्त्व, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा।
6. जोशी, रजनी, (2000) विद्यालय प्रशासन एवं प्रबन्धन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।
7. मुखोपाध्याय, एम., (2003) टोटल क्वालिटी मैनेजमेण्ट इन एजूकेशन: (हिन्दी एवं अंग्रेजी) नीपा, नई दिल्ली।
8. पाठक, आर.पी., (2010) शैक्षिक प्रबन्धन, राधा प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. Bhatnagar & Agrawal, (2005) Educational Administration, Loyal Book Depot, Meerut.
10. पाठक रमेश प्रसाद एवं शर्मा संजय,(2021) शैक्षिक नियोजन एवं प्रशासन, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।


**अन्तर्जाल स्रोत:-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

## प्रश्नपत्र - 10 - ख ( iii ) माध्यमिक शिक्षा में अधिगम आकलन

## (Learning Assessement in Secondary Education)

कोर्स कोड = 242 ख (iii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

### कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- मापन, आकलन एवं मूल्यांकन की अवधारणाओं से अवगत हो सकेंगे ।
- आकलन के विविध प्रारुपो में विभेद कर सकेंगे ।
- उपलब्धि परीक्षण निर्माण कर सकेंगे ।
- आकलन हेतु नवीन विविध उपकरणों का अनुप्रयोग कर सकेंगे ।
- आकलन की नवीन प्रवृत्तियों के अनुरुप कक्षागत आकलन कर सकेंगे।

### पाठ्य–वस्तु (Content) **75 अंक**

**इकाई १ : मापन, आकलन एवं मूल्यांकन** - अवधारणा, उद्देश्य, महत्त्व कार्य एवं तीनों में अन्तर। शिक्षा में मूल्यांकन प्रक्रिया- उद्देश्यों का निर्धारण, अधिगम क्रियाओं का आयोजन एवं व्यवहार परिवर्तन। मूल्यांकन के प्रकार-स्थानन (Placement) निदानात्मक, संरचनात्मक एवं योगात्मक (अभिप्राय, विशेषताएं, विधियाँ एवं अन्तर)।

**इकाई २ : अधिगम आकलन** - स्वरुप - अधिगम के लिए, अधिगम का एवं अधिगम के रुप में आकलन, रचनावादी परिप्रेक्ष्य में अधिगम आकलन- स्व आकलन, सहपाठी- आकलन, समुदाय आधारित आकलन, निष्पादन आकलन-अभिप्राय, गुण एवं सीमाएँ, पोर्टफोलियों- अभिप्राय, निर्माण, गुण एवं सीमाएँ।

**इकाई ३ : उपलब्धि परीक्षण** - प्रकार- निबन्धात्मक, वस्तुनिष्ठ, प्रमापीकृत, अध्यापक निर्मित, गति एवं शक्ति परीक्षण, NRT एवं CRT - अभिप्राय, विशेषताएँ एवं अन्तर ।

- परीक्षण निर्माण एवं मानकीकरण- योजना बनाना, ब्लू प्रिन्ट निर्माण, पद लेखन, प्रश्नपत्र निर्माण, मानकीकरण
- परीक्षण प्रशासन- प्रतिवेदन एवं प्रतिपुष्टि।

**इकाई ४ : अच्छे परीक्षण की विशेषताएँ-** व्यावहारिक एवं तकनीकी विशेषताएं- अभिप्राय एवं प्रकार विश्वसनीयता- परीक्षण पुनः परीक्षण, समतुल्य परीक्षण विधि, अर्द्धविच्छेद विधि, आन्तरिक संगतता गुणांक, Chronbach अल्फा गुणांक, Hoyt's विश्वसनीयता गुणांक। वैधता- विषयगत, अन्वय, समवर्ती, पूर्वकथन, तार्किक एवं कारकीय वैधता।

- **इकाई ५ : नवीन प्रवृत्तियाँ** - पारम्परिक प्रणाली, सतत व्यापक मूल्यांकन, ग्रेड प्रणाली, प्रश्न बैंक, सेमेस्टर प्रणाली, नई शिक्षा नीति 1986, 1992 एवं NEP 2020, NISHTHA, SAFAL, SSA, PARAKH, HOLISTIC, 360°

- **सत्रीय कार्य** - निम्नलिखित में से कोई दो 25 अंक

1. माध्यमिक स्तर की शिक्षा में अध्यापित किसी एक विषय पर उपलब्धि परीक्षण निर्माण।
2. माध्यमिक स्तर की शिक्षा में प्रयुक्त विभिन्न मापन एवं मूल्यांकन विधियां पर आधारित दत्त कार्य।
3. माध्यमिक स्तर के संज्ञानेतर पक्षों के मूल्यांकन पर आधारित परीक्षण निर्माण।
4. इकाई आधारित प्रदत्त कार्य

अध्येय ग्रन्थ–


1. गुप्ता, एस.पी., (2001) आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद।
2. अस्थाना, विपिन, (1999) मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
3. भार्गव, महेश, (1990) आधुनिक मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, भार्गव बुक डिपो, आगरा।
4. पाण्डेय, के.पी., (2006) शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. शर्मा, आर. ए. (2002) शिक्षा मापन के मूल तत्त्व एवं सांख्यिकी, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ
6. नई शिक्षा नीति- 1986, 1992, NEP 2020 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
7. प्रो. यशपाल समिति 1991-92 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
8. प्रो. राममूर्ति समिति- 1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली
9. पाठक,आर.पी. एवं मोहन, रचना वर्मा (2019) अधिगम आकलन मापन एवं मूल्यांकन कनिष्क पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
10. Mehta, First Mental Measurement Handbook ,NCERT, New Delhi.
11. Edward, (1969) Technique of Attituede Scale Construcation Vakils, Feffer and Simons Pvt. Ltd. Bombay.
12. Thorndike And Hagen , (1970) Measurement and Evaluation in Psychology and Education: Wiley Eastern Pvt. Ltd., New Delhi.
13. Anastassi, (1982) Psychological Testing : Mc Millan Company, New York.
14. Bloom et.al., (1956) Taxonomy of Educational Objectives, Hand Book I, David Mc kay Company New Delhi.
15. Simpson, (1988) The Classification of Educational Objectives, Psychomotor Domain Illinois Teachers of Home Economics.
16. Lindquist, Educational Measuremant, American Council on Education, Washington, D.C, U.S.
17. Pathak, R.P. (2010) Measurement and Evaluation in Education, Pearson Publication, New Delhi.
18. UGC Examination Reform: A Plan of Action-1992.


**अन्तर्जाल स्रोतः-**

सम्बन्धित विषय विशेषज्ञों की ई.पी.जी. पाठशाला, स्वयंम्, मूक्स आदि में उपलब्ध प्रस्तुतियाँ।

# संस्था सम्बद्धता

**(Institution Attachment)**

कोर्स कोड = 243

कुल क्रेडिटस = 08

कुल अंक = 200

| कोर्स कोड | कोर्स का नाम | अवधि | अंक |
|---|---|---|---|
| 243 - i | **संस्था सम्बद्धता**<br>अध्यापक शिक्षा संस्थागत सम्बद्धता<br>(Teacher Eduction Institutional Attachment) | 4 Weeks | 100 |
| 243 - ii | **संस्था सम्बद्धता**<br>विशेषज्ञता आधारित संस्थागत सम्बद्धता<br>(Specialization based Institutional Attachment) | 4 Weeks | 100 |

## दोनो संस्थागत सम्बद्धता हेतु पाठ्यक्रमीय क्रियायें

**( १०० अंक/ संस्था सम्बद्धता )**

| क्र.सं. | पाठ्यक्रमीय क्रियायें | अंक |
|---|---|---|
| (i) | स्थानबद्ध संस्था से सम्बन्धित अनुभवों का प्रेक्षण अभिलेख निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण प्रति सप्ताह। | 20<br>(5+5+5+5) |
| (ii) | स्थानबद्ध संस्था का पार्श्वचित्र निर्माण। (अन्त में) | 20 |
| (iii) | स्थानबद्ध संस्था की गतिविधियों एवं कार्यक्रमों पर आधारित आख्या प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुति। (अन्त में) | 20<br>(15+5) |
| (iv) | स्थानबद्ध संस्था के प्रशासनिक ढाँचे एवं कार्य प्रणाली पर प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में) | 20<br>(15+5) |
| (v) | स्थानबद्ध संस्था के अनुभवों पर आधारित विमर्शी प्रतिवेदन एवं प्रस्तुति। (अन्त में) | 20<br>(15+5) |

# शिक्षाचार्य ( एम.एड. ) पाठ्यक्रम

## चतुर्थ सेमेस्टर

# शिक्षाचार्य (एम.एड.) द्वितीय वर्ष
## चतुर्थ सेमेस्टर पाठ्यक्रम स्वरूप

कुल अंक = 500
कुल क्रेडिट्स = 20+2*

| कोर्स कोड (Course code) | कोर्स संख्या (course No.) | कोर्स का नाम (Name of the course) | कोर्स श्रेणी (Course Category) | कुल अंक (Total Marks) | कुल क्रेडिट्स (Total Credits) | घण्टे/सप्ताह (Hours/ weeks) | घण्टे/सेमेस्टर (Hours/ Semester) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | - | **Theory (सैद्धान्तिक)** | | **300** | **12** | **12** | **160** |
| 261 | 11 | संस्कृत शिक्षा (Sanskrit Education) | संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 262 N | 12 | भारतीय ज्ञान परम्परा (Indian Knowledge Tradition) | संकेन्द्रिक अनिवार्य (Core Compulsory) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 263 | 13 | **ऐच्छिक निम्नलिखित में से कोई एक (Optional -Any one of the following)** | वैकल्पिक–1 Elective (i) | 100<br>75 (E)+25 (I) | 04 | 04 | 80 |
| 263- i | 13- I | समावेशी शिक्षा (Inclusive Education) | | | | | |
| 263- ii | 13- II | निर्देशन एवं उपबोधन (Guidance & Counselling) | | | | | |
| 263- iii | 13- III | पर्यावरण शिक्षा (Environmental Education) | | | | | |
| 263- (iv) | 13- IV | तुलनात्मक शिक्षा (Comparative Education) | | | | | |
| 263- (v) | 13-V | भाषा शिक्षा (Language Education) | | | | | |
| 263 (vi) | 13- VI | मानवाधिकार शिक्षा (Human Rights Education) | | | | | |
| 263 (vii) | 13- VII | दूरवर्ती शिक्षा (Distance Education ) | | | | | |
| 263 (viii) | 13-VIII | योग शिक्षा (Yoga Education ) | | | | | |
| 264 | | **लघु शोध प्रबन्ध (Dissertation)** | **क्षेत्र आधारित शोध (Field based Research)** | **200** | **08** | - | - |
| (i) | | पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण । | | 50(I) | | | |
| (ii) | | लघुशोध प्रबन्ध मूल्यांकन | | 100(E) | | | |
| (iii) | | मौखिकी | | 50(E) | | | |
| 271N | | **शैक्षिक गतिविधियाँ (Educational Activities)** | **अनिवार्य Compulsory** | **50** | **2*** | **80% अनिवार्य** | |
| (i) | | विद्यार्थियों द्वारा किन्ही दो शैक्षिक महत्व के स्थानीय स्थलों का स्वभ्रमण आधारित प्रतिवेदन | | | | | |
| (ii) | | राष्ट्रीय/ राज्य स्तरीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुति(किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में आयोजित) | | | | | |
| (iii) | | लक्ष्य समूह परिचर्चा एवं विमर्शी प्रतिवेदन | | | | | |
| (iv) | | सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन | | | | | |

## ११ संस्कृत-शिक्षा

**(Sanskrit Education)**

पाठ्यक्रमकूटाङ्कः - 261 | पूर्ण-क्रेडिट्स् -04
क्रियान्वयनहोराः- 4 होराः/सप्ताहः | पूर्णाङ्काः = 100
अभीष्टाधिगम-परिणामः(Course Learning Outcomes)

- संस्कृतशिक्षाक्षेत्रस्य विषये पूर्णरूपेण अवबोधः।
- संस्कृतशिक्षायाः विकासस्य समस्यानाञ्च अवबोधः।
- संस्कृतशिक्षायामनुसन्धानाय क्षेत्राणां परिचयप्रदानम्।
- संस्कृतशिक्षा-सम्बद्धानां संस्थानां भूमिकायाः ज्ञानप्रदानम्।
- संस्कृतशिक्षायां नूतन- प्रवृत्तीनां ज्ञानप्रदानम्।

**पाठ्यवस्तु** 75 अङ्काः

**अन्वितिः १: संस्कृतशिक्षायाः विकासः** - प्राचीनतः अर्वाचीनकालयावत् संस्कृतशिक्षा।संमप्रत्ययाः,उद्देश्यानि, पाठ्यचर्या-शिक्षणम् ,विधयः मूल्याङ्कनञ्च, संस्कृतभाषायाः भाषाशास्त्रीयं महत्त्वम्।

**अन्वितिः२ : संस्कृतशिक्षायाम् अनुसन्धानक्षेत्रम्** - वर्णनात्मक-प्रायोगिक-ऐतिहासिक-दार्शनिक-क्रियात्मक- अनुसन्धानानाञ्च विधयः। संस्कृतशिक्षणस्य समस्याधारितम् अनुसंधानम्। शिक्षणविधिषु आधारितमनुसन्धानम्। संस्कृत-अधिगमाधारितमनुसन्धानम्। प्राचीन-संस्कृतग्रन्थेषु आधारितम् अनुसन्धानम्।

**अन्वितिः३ : संस्कृतशिक्षायाः संवर्द्धनम्** - संस्कृत-अध्ययनाय अनुदेशनात्मक-सामग्रीणां निर्माणम्। संस्कृतसम्भाषणशिविरस्य आयोजनं प्रविधयश्च। संस्कृतसम्बद्धानां संगोष्ठी-सम्मेलनानाञ्च आयोजनम्। अभिक्रमित-अनुदेशनेन संस्कृतशिक्षणस्य विभिन्नाः सर्वकारीय- असर्वकारीयाः परीक्षाः।

**अन्वितिः४ : संस्कृतशिक्षा संबद्धाः संस्थाः** - संस्कृतपाठशाला-गुरुकुलेषु च अभिनवप्रयोगः।संस्कृतसंवर्द्धनसंघटनम् , संस्कृतविश्वविद्यालयाः, संस्कृतशोधसंस्थाः - संस्कृत-अकादमी, सर्वकारीय-संस्थाः, स्वयंसेवी-संस्थाश्च।

**अन्वितिः५ : संस्कृतशिक्षायां नूतन-प्रवृत्तयः**- संस्कृतशिक्षायाम् ई-अधिगमः, संगणकाधृतं संस्कृतशिक्षणम् ,मूक्स (MOOCS), ई.पी.जी.पाठशाला इत्यादि दूरवर्ती शिक्षायाः माध्यमेन संस्कृत-अध्ययनम्। संस्कृतशिक्षायां स्वाध्याय-सामग्र्यः, राष्ट्रियशिक्षानीति(२०२०)- विशेषसन्दर्भे।

**सत्रीय-कार्यम्-**

१. संस्कृतभाषा-आधारितानां सामग्रीणां निर्माणम्।

२.संस्कृतविकासविषय-सम्बंधितानां पीपीटी (PPT) इत्यस्य निर्माणम्।

३. संस्कृतक्षेत्रे विद्यापीठे वा अन्यस्यां संस्थायां समायोजित-संस्कृतसंबंधितानां कार्यक्रमाणाम् अवलोकनं विवरणप्रस्तुतिश्च।साहित्यसेवी सम्माननं/पुरस्कारसम्बन्धितानां विवरणानां संकलनम्।

४. एकस्य संस्कृत-पाठ्यपुस्तकस्य समीक्षा।

५. स्व-स्वराज्यानुसारं संस्कृतसंस्थायाः व्यष्टिवृत्तात्मकमध्ययनम्।

**अध्येय-ग्रन्थाः -**


१. पाण्डेय,के.पी.(१९९८), शैक्षिक-अनुसन्धान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र.।

२. त्रिपाठी,एल.बी.एवं भार्गव,हरप्रसाद, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति, विनोद पुस्तक मन्दिर ,आगरा।

३. गुप्ता,एस.पी., अनुसन्धान संदर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद।

४. Pandey, K.P., (2005),Fundamentas Of Educational Research, Vishvvidyalaya Prakashan, Chowk, Varanasi.

५. Best, John W., (2000), Research in Education,Prentice Hall ,New Delhi.

६. Kerlinger,F.N,(2000), Foundations of Behavioural Research, Surjeet Publications, Kamala Nagar, New Delhi.

७. Keeves,J.P., Educational Research Methodology and Measrement,International Handbook, Pergamon Press.

८. पाठक, आर.पी. (२०१०), शैक्षिक प्रबन्धन, राधा-प्रकाशन, अंसारी रोड,दरियागंज,नई दिल्ली।९. Pathak,R.P., Research in Psychology and Education, Pearson Education,New Delhi.


अन्तर्जालस्रोतः-

सम्बन्धितानां विषयविशेषज्ञानाम् ई.पी.जी.पाठशाला- स्वयम् - मूक्स- इत्यादिषु समुपलब्ध- प्रस्तुतयः।

## प्रश्नपत्र -12

# भारतीय ज्ञान परम्परा

## (Indian Knowledge Tradition)

कोर्स कोड = 262 N
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक= 100

### कोर्स अधिगम परिणाम( Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भारतीय ज्ञान परम्परा एवं वाङ्मय का विस्तृत सम्प्रत्यय समझ सकेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा में उल्लिखित विविध विज्ञानों से अवगत हो सकेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित शिक्षाशास्त्र परम्परा से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा में निहित सामाजिक व्यवस्था से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय ज्ञान परम्परा में समाविष्ट स्वस्थ जीवन पद्धति एवं व्यवसायपद्धति से परिचित हो सकेंगे।

### पाठ्य—वस्तु(Content) — 75 अंक

**इकाई - १ : भारतीय ज्ञान परम्परा का सम्प्रत्यय**- भारतीय ज्ञान परम्परा, विस्तृत परिचय एवं महत्व, भारतीय वाङ्मय का परिचय, चतुर्दश विद्या (वेद से काव्य तक)

**इकाई - २ : भारतीय ज्ञान परम्परा- विविध विज्ञान**-भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान, खगोल विज्ञान, गणित विज्ञान, कृषि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, स्थापत्य विज्ञान (शिल्प कला), वास्तुविज्ञान, मनोविज्ञान, धातुविज्ञान, यज्ञविज्ञान

**इकाई - ३ : भारतीय ज्ञान परम्परा**-शिक्षाशास्त्र परम्परा-मौखिक परम्परा ध्वनि, पद, वाक्य, अर्थविज्ञान, वेद विधि (संहिता- माला-शिखा-ध्वजा इत्यादि), वाकोवाक्य, संवाद, कथोपकथनादि।

प्राचीन शिक्षा व्यवस्था - प्रशासन, प्रबन्धन,शिक्षण संस्था (अष्टादश विद्या स्थान),

**इकाई - ४ : भारतीय ज्ञान परम्परा- समाजविज्ञान**-भारतीय समाज में गतिशीलता, भारतीय समाज का स्तरीकरण, प्राचीन भारत में वर्णव्यवस्था एवं समाज, आश्रमधर्म एवं समाज, अर्थशास्त्र एवं समाज ।

**इकाई -५ : भारतीय ज्ञान परम्परा में स्वस्थ जीवन पद्धति एवं व्यावसायिकता** -भारतीय आहार नियमावली, जीवन में योग एवं व्यायामों का समावेशन, आयुर्वेद एवं स्वस्थ जीवन।

कृषि- लौह-चिकित्सा-स्वर्ण-शस्त्र-विमान-पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड इत्यादि।

**सत्रीय कार्य :** — **25 अंक**

- संस्कृत वाङ्मय आधारित सम्प्रत्यय चित्रण(Concept Map)निर्माण एवं प्रस्तुतिकरण।
- प्राचीन एवं आधुनिक विज्ञानों का तुलनात्मक प्रतिवेदन निर्माण एवं प्रस्तुतीकरण।

- प्राचीनशिक्षण संस्थाओं का सूची निर्माण एवं तत्कालीन शिक्षण प्रक्रिया आधारित प्रतिवेदन निर्माण।

- विविध संग्रहालय एवं प्रदर्शनियों का अवलोकन कर प्राचीन भारतीय समाज का चित्रण (चित्र-प्रतिकृति- लघु चलचित्रनिर्माण-**PPT**)

- प्राचीन भारतीय संस्कृति में स्वस्थ जीवन तत्वों का निरीक्षण एवं प्रस्तुतीकरण।

अध्येय ग्रन्थ—


अक्षर अभिज्ञान – करुणालाल, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी।
अभिनव मनोविज्ञान - प्रभु दयाल अग्निहोत्री, संपूर्णानंद ग्रंथमाला, वाराणसी 1994।
अष्टांग संग्रह – वृद्धवाग्भट्टाचार्य, चौखंबा संस्कृतिप्रतिष्ठान, वाराणसी,2005।
अष्टांग हृदयम- वाग्भट, चौखम्बा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
आगम रहस्यम श्री सरयू प्रसाद द्विवेदी -, चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
ईशादिदश उपनिषद,गीता प्रेस - गोरखपुर।
नात्यशास्त्र,आचार्य देव प्रसाद द्विवेदी, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली।
प्राचीन भारत की शिक्षा पद्धति, कृष्ण कुमार, मयंक, प्रकाशन हरिद्वार 1999।
प्राचीन भारतीय मनोविविद्या,श्री दिनेश चंद्र शास्त्री - कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता 1972।
भारतीय दर्शन,जयदेव वेद अलंकार - न्यू भारतीय बुक कॉरपोरेशन, दिल्ली।
भारतीय भाषा दर्शन,विजयपाल शास्त्री - सत्यम पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
भारतीय संस्कृति ,प्रीति प्रभा गोयल- राजस्थानी ग्रंथगर, जोधपुर।
भाषा परिचय ,श्री पंचानन शास्त्री - चौखंबा प्रकाशन, वाराणसी।
मनुस्मृति ,ठाकुर प्रकाशन - हैदराबाद।
रसरत्न समुच्चय वाग्भटाचार्य-,महेर चंद्र लक्षण दास, पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।
रसार्णवम्,पीसी राय - ओरिएंटल बुक सेंटर, दिल्ली।
वेदों में समाजशास्त्र अर्थशास्त्र और शिक्षा शास्त्र,कपिल देव द्विवेदी विश्व भारती अनुसंधान परिषद - ज्ञानपुर।
वेदिक शिक्षा पद्धति,मिश्र - महर्षि शांति बनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठानों, उज्जैनी ,2003।
शिक्षा शास्त्र ,विरचित उदयनाचार्य भाष्य पाणिनी - रामलाल कपूर ट्रस्ट, हरियाणा।
संस्काराणां पर्यालोचनम् ,जयकृष्ण मिश्र - श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी 2005।
सुभाषितसाहस्री- सत्यव्रत शास्त्री, श ,वि .मां .सं .सं .नई दिल्ली।
Mithali Chatterjee - Education in Ancient India; D.K.Rint world Pvt. Ltd., New Delhi.
A.S.Altekar - Education in Ancient India; Asha books, Delhi, 2009.
R.D.Ranade - An Encyclopaedic History of Indian Philosophy - Constructure Survey of Upanishdic Philosophy; Oriental Book Agency, Poona.
Banerja,P. (1916). public Administration in Ancient India, Macmillan, London.
Rangarajan, L.N. (1987). The Arthashastra, Penguin Book, New Delhi.
Shamassastry, R. (1929). KautilyasArthasastra, 3rd Edition., The Weleyan Mission, Press, Mysuru.


**Indian Knowledge System ...... plz once check in our library.**


Since in Sanskrit – Sasmskrita Bharathi, Denadayala Upadhyaya marg, New Delhi.

The Pride of India – Sasmskrita Bharathi, Denadayala Upadhyaya marg, New Delhi.
वैदिकवाङ्मयस्येतिहास- भारतीयसंस्कृतिश्च :
मुक्तस्वाध्यायपीठम्,केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय :,नवदेहली।

आभासीय पटल

1. :: Indian Knowledge Systems :: (iksindia.org)
2. Indian Knowledge System (vajiramandravi.com)
3. Indian Knowledge Systems | MyGov.in
4. INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM | IAS GYAN

# प्रश्नपत्र - 13 -I समावेशी शिक्षा

## (Inclusive Education)

कोर्स कोड = 263 (i)  
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04  
कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम ( Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- समावेशी शिक्षा की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- समावेशी शिक्षा से संबंधित राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय प्रावधानों और द्वियांग बालकों के वर्गीकरण से परिचित हो सकेंगे।
- समावेशन के प्रतिमान और शिक्षण विधियों के अनुप्रयोग की योग्यता का विकास कर सकेंगे।
- समावेशी पाठ्यकम निर्माण हेतु संबंधित अनुशीलन के प्रतिजागरुकता को विकसित कर सकेंगे।
- स्वयंसेवी संस्थाओ और विभिन्न हितधारकों की भूमिका एवं कार्यों से परिचय प्राप्त कर, उनके कल्याणार्थ विभिन्न कार्यों में सहयोग कर सकेंगे।
- सूचना प्रौद्योगिकी के योगदान एवं अनुप्रयोग से अवगत हो सकेंगे।

## पाठ्य—वस्तु (Content)

**75 अंक**

**इकाई - १ : समावेशी शिक्षा-** समावेशी शिक्षा की संकल्पना, राष्ट्रीय, अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर समावेशन एवं दिव्यांग बालकों के लिए प्रावधान नीतियों की संस्तुतियाँ **RCI Act- 1992, PWD Act-1995, NEP-2020,** दिव्यांग बालकों का वर्गीकरण।

**इकाई - २ :** समावेशन के प्रतिमान एवं विधियाँ- समावेशी कक्षा का प्रतिमान, समूह, सहयोगी, परोपकार **(Charity)**, उपचार, अलगाव, एकीकरण एवं मानवीय प्रतिमान।

**इकाई - ३ : पाठ्यक्रम अनुशीलन-** अवधारणा, उद्देश्य, अनुशीलन, पाठ्यक्रम शिक्षण विधियाँ, पाठ्यसहगामी क्रियाएँ, विकलांगता से समावेशन की ओर स्थानांतरण, जैव केन्द्रितता से मानवाधिकार प्रतिमान में स्थानातंरण ।

**इकाई - ४ :समावेशी शिक्षा एवं स्वयंसेवी संस्थाएँ-** अवधारणा, प्रकार्य, वर्गीकरण एवं महत्व । विभिन्न हितधारक एवं भूमिका ।

**इकाई-५ : समावेशी शिक्षा एवं सूचना संप्रेषण तकनीकी (ICT)-** समावेशी कक्षा में **ICT** की भूमिका (सहायक तकनीकी रुप में) । दिव्यांगता अनुसार **ICT** का कक्षा , शिक्षण आयोजन एवं अनुप्रयोग ।

सत्रीय कार्य : निम्नलिखित में से काई दो 25 अंक

1. सुविधावंचित संवर्ग के किन्ही चयनित दो या तीन छात्रों का व्यठिठ अध्ययन ।
2. समावेशी शिक्षा में चुनौतियां पर आधारित समूह चर्चा ।
3. समावेशी शिक्षा के कृत शोधो का सार सक्षेपीकरण एवम् प्रस्तुतीकरण ।
4. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य

अध्येय ग्रन्थ–


शर्मा आर. ए., (2005) विशिष्ट शिक्षा का प्रारूप, लायल बुक डिपो, मेरठ (उ.प्र.)

Thomas G, (1997) Inclusive Schools for An Inclusive Society, British Journal of Special Education.

Pathak, R.P.(2019), Inclusive Education, Forward Books, Dariyagang, New Delhi.

Mangal, S.K. E-Mangal Shubhra (2019) Creating and Inclusive School, PHI Learning Private Limited, Delhi-110002


**अन्तर्जाल स्त्रोत**- इस विषय से सम्बन्धित किशोरमञ्च, मूक्स्, स्वयंप्रभा आदि में संप्रेषित कार्यक्रम।

# प्रश्नपत्र - 13 -II निर्देशन एवं उपबोधन

## (Guidance & Counselling)

कोर्स कोड = 263 (ii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम ( Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भारतीय संदर्भ में निर्देशन एवं उपबोधन की परिस्थितियों में प्रेक्षित समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर सकेंगे।
- निर्देशन की व्यावहारिक परिस्थितियों में गुणवत्ता लाने हेतु कुशलता का विकास कर सकेंगे।
- उपबोधन की परिस्थितियों को सुविधावंचित संवर्ग की समस्याओं के आधार पर व्यवस्थित करने की प्रवीणता विकसित कर सकेंगे।
- निर्देशन सेवाओं से अवगत हो सकेंगे।
- निर्देशन एवं उपबोधन हेतु परीक्षणों एवं परीक्षणेतर उपकरणों के चयन एवं अनुप्रयोग में दक्षता विकसित कर सकेंगे।

## पाठ्य—वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई - १ : निर्देशन**- अवधारणा (वर्तमान एवं भारतीय सन्दर्भ में निर्देशन की आवश्यकता), उद्देश्य, सिद्धान्त, प्रकार और निर्देशक के रूप में अध्यापक की भूमिका । शैक्षिक निर्देशन- अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता, शैक्षिक निर्देशन के सिद्धान्त, प्रक्रिया एवं उसका कार्यक्षेत्र । विभिन्न अवस्थाओं में शैक्षिक निर्देशन-प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर स्तर। व्यावसायिक निर्देशन- व्यावसायिक निर्देशन की अवधारणा, उद्देश्य, आवश्यकता, प्रक्रिया एवं कार्यविधि । व्यवसाय चयन एवं उसके सिद्धान्त, शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन में सम्बन्ध।

**इकाई - २ : उपबोधन**- अवधारणा, उपबोधन एवं निर्देशन में अन्तर, उपबोधन प्रक्रिया के मूलभूत सिद्धान्त, उपबोधन के प्रकार- निदेशात्मक, अनिदेशात्मक और संकलनात्मक (अर्थ, सोपान और इनकी सीमाएँ), उपबोधन के उपागम- मनोविश्लेषणात्मक उपागम, व्यवहार उपागम, संज्ञानात्मक उपागम, अच्छे उपबोधक के गुण।

**इकाई - ३ : निर्देशन एवं उपबोधन में साक्षात्कार विधि**- अवधारणा, उद्देश्य, प्रकार, सोपान, सिद्धान्त, लाभ, सीमाएँ।

**इकाई - ४ : निर्देशन सेवायें**- सूचना सेवा, आत्म-तालिका सेवा, उपबोधन सेवा, स्थानन सेवा, अनुवर्त्ती सेवा और शोध सेवा (इनके महत्त्व, कार्य विधि और सीमाएँ) ।

इकाई - ५ : **निर्देशन एवं उपबोधन में प्रयुक्त विविध परीक्षण** - बुद्धिपरीक्षण, रुचि परीक्षण, अभिरुचि परीक्षण, उपलब्धि परीक्षण, व्यक्तित्व परीक्षण, उपबोधन एवं निर्देशन हेतु परीक्षणेतर उपकरण एवं युक्तियाँ।

**सत्रीय कार्य** : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भारतीय संदर्भ में अंचल आधारित वृत्तिक सर्वेक्षणों का सारांश संग्रह करना।
2. शैक्षणिक निर्देशन के संदर्भ में अधिगम अक्षम बालकों पर आधारित व्यष्टि अध्ययन
3. किन्हीं दो या तीन सुविधावंचित संवर्ग के बालकों के उपबोधन के कार्यक्रमों में प्रतिभाग।
4. प्रभावी निर्देशन एवं उपबोधन सुनिश्चित करने हेतु परीक्षणों एवं परीक्षणेत्तर उपकरणों का चयन एवं उनका व्यवहारिक परिस्थितियों में अनुप्रयोग।
5. इकाई सम्बन्धित प्रदत्त कार्य

अध्येय ग्रन्थ–


ओबराय, एस.सी., (2005)शैक्षिक तथा व्यासायिक निर्देशन एवं परामर्श, इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ(उ.प्र.)।

दुग्गल एस.पी., (2005) निर्देशन एवं परामर्श, अर्णव बुक हाउस, मेरठ(उ.प्र.)।

योगेन्द्रजीत भाई, (1995) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श विनोद पुस्तक मन्दिर आगरा (उ.प्र.)।

जायसवाल, सीताराम, (1988) शिक्षा निर्देशन और परामर्श, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,लखनऊ (उ.प्र.)।

इन्दुदवे एवं पाठक, (2000)निर्देशन के मूल तत्त्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर(राजस्थान)।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) पाठ्यचर्चा, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन, नई दिल्ली।

शर्मा आर.ए. (2002), निर्देशन एवं परामर्श के मूल, आर.लाल.बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

भटनागर,आर.पी. एवं जौहरी मन्जू(2005), शिक्षा एवं मनोविज्ञान में निर्देशन और परामर्श, आर.लाल. बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

शर्मा आर.ए एवं चतुर्वेदी शिखा(2007), शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन तथा परामर्श के मूल, आर.लाल.बुक डिपो, मेरठ, (उ.प्र.)।

दूबे, रमाकांत (1979), शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन के मूल सिद्धान्त, राजेश पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, (उ.प्र.)।

पाण्डेय, के.पी., एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2003) शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, (उ.प्र.)।


**अन्तर्जाल स्त्रोत**- इस विषय से सम्बन्धित किशोरमञ्च, मूक्स् स्वयंप्रभा आदि में संप्रेषित कार्यक्रम।

# प्रश्नपत्र - 13 - III पर्यावरण शिक्षा

## (Environmental Education)

कोर्स कोड = 263 (iii) | कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह | कुल अंक = 100

## कोर्स अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

इस कार्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- पर्यावरणीय विकृतियों से जनित समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित कर सकेंगे।
- पर्यावरण सुरक्षा के उपायों के बारे में जागरूक हो सकेंगे।
- पर्यावरण के कुशल प्रबन्धन हेतु युक्तियों एवं हस्तक्षेपों के बारे में कुशलता विकसित कर सकेंगे।
- राष्ट्रिय एवं वैश्विक संदर्भ में पर्यावरण की गुणवत्ता के आयामों के प्रति सजग दृष्टि विकसित कर सकेंगे ।
- पर्यावरण शिक्षा पाठ्यक्रम एवं उपागमों का अवबोध कर सकेंगे।

## पाठ्य—वस्तु (Content) — 75 अंक

**इकाई-१: पर्यावरण एवं परितंत्र-** पर्यावरण-अभिप्राय, महत्त्व, पर्यावरणीय मण्डल (भू-जैव-जल-वायु मण्डल) उर्जा के प्राकृतिक स्रोत एवं संसाधन । मानव पर्यावरण सम्बन्ध- मानवीय क्रियाएँ एवं पर्यावरण पर उनका प्रभाव । परितंत्र- सम्प्रत्यय, संघटक, प्रकार, भू-जैव-रासायनिक चक्र (आक्सीजन, कार्बन, नाइट्रोजन चक्र) एवं उर्जा प्रवाह।

**इकाई-२ : पर्यावरणीय प्रदूषण-** प्रदूषक- अभिप्राय एवं प्रकार। प्रदूषण के प्रकार- वायु, जल, मृदा, ध्वनि, नाभिकीय प्रदूषण। प्रदूषकों का मनुष्य एवं अन्य जीवों पर दुष्प्रभाव।

**इकाई-३: पर्यावरण शिक्षा-( प्राचीन एवं आधुनिक सन्दर्भ में )-** प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पर्यावरण। भारतीय वाडगमय में पर्यावरण। वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय चिन्तन (1972 सम्मेलन UNEP, IEEP, महाधिकार पत्र, ब्रेलग्रेड घोषणा पत्र)। पर्यावरण शिक्षा- लक्ष्य, उद्देश्य, निर्देशक सिद्धान्त, शिक्षक की भूमिका।

**इकाई-४: पर्यावरण शिक्षाः पाठ्यक्रम एवं उपागम-** पाठ्यक्रम-विभिन्न स्तरों पर पर्यावरण शिक्षा पाठ्यक्रम की प्रकृति एवं विशेषताएं। उपागम- औपचारिक एवं निरौपचारिक। (सम्मेलन,कार्यशाला, क्रीड़ा एवं अनुरूपण, पारिस्थितिकी क्लब, जागरूकता अभियान) जनसंचार साधनों एवं स्वयं सेवी संगठनों की भूमिका ।

**इकाई-५: पर्यावरण संरक्षण एवं सुधार-** पर्यावरण प्रबन्धन- अभिप्राय, पक्ष एवं आयाम (स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय), MDG, सुस्थिर विकास । e-Waste, जल संरक्षण एवं जल संरक्षण अभियान अपशिष्ट प्रबन्धन, अपशिष्ट से उर्जा, वैकल्पिक उर्जा स्रोत। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम एवं प्रयास - पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (1986), UNFCCC, COP, Rio Summit, Kyoto Protocal, Paris Agreement, CBD, अन्तर्राष्ट्रीय सौर गठबन्धन।

**सत्रीय कार्य** : निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. पर्यावरणीय प्रदूषण के किसी एक/दो अनुक्षेत्र में क्रियात्मक अनुसंधान की परियोजना विकसित करना एवं उनकी क्रियान्विति पर आधारित प्रतिवेदन लेखन।
2. विद्यालय अथवा समुदाय केन्द्रित प्रमुख स्थलों पर स्वच्छता अभियान के हस्तक्षेपां में प्रतिभाग एवं प्रतिवेदन निर्माण।
3. पर्यावरणीय गुणवत्ता सुधार के विभिन्न आयामों पर समूह परिचर्चा एवं प्रतिवेदन निर्माण।
4. इकाई आधारित प्रदत्त कार्य

अध्येय ग्रन्थ–


सक्सेना, ए.बी., (1991)पर्यावरण शिक्षा, आर्यबुक डिपो, दिल्ली।

सिंह, सविन्द्र, (2000) पर्यावरण भूगोल, प्रयाग पुस्तक भवन, इलाहाबाद।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।

फेडोरेव, ई. (1980) मेन एण्ड नेचर द इकोलोजिकल क्राइसेज एण्ड सोसल प्रोग्रेस, प्रोगेपब्लिशर्स, मास्को।

रघुवंशी, अरुण एवं चन्द्रलेखा, (1998) पर्यावरण तथा प्रदूषण, म.प्र. हिंदी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।

यूनेस्को, (1977)ट्रेन्ड्स इन इनवायरमेण्टल एजूकेशन, यूनेस्को, पेरिस।

पाण्डेय, के.पी., भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2005) पर्यावरण शिक्षा एवं भारतीय संदर्भ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी।

मित्तल सन्तोष (2006): 21 वीं सदी में पर्यावरण एवं पर्यावरण शिक्षा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।

आर.ए.शर्मा (2004): पर्यावरण शिक्षा,आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।

मिश्रा, सन्ध्या (2010): पर्यावरण शिक्षा,आर. लाल. बुक डिपो, मेरठ, उ.प्र.।


**अन्तर्जाल स्त्रोत**- इस विषय से सम्बन्धित किशोरमञ्च, मूक्स्, स्वयंप्रभा आदि में संप्रेषित कार्यक्रम।

# प्रश्नपत्र -13 - IV तुलनात्मक शिक्षा

## (Comparative Education)

कोर्स कोड = 263 (iv)
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह

कुल क्रेडिटस = 04
कुल अंक= 100

## कोर्स अधिगम परिणाम(CourseLearning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भारतीय शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में विभिन्न देशों की शिक्षा प्रणालियों के सापेक्ष प्रेक्षित शैक्षिक संरचनाओं, समस्याओं एवं नवाचारी कार्यक्रमों के प्रतिसंवेदनशीलता विकसित कर सकेंगें।
- भारतीय शिक्षा व्यवस्था में प्रयुक्त संरचनात्मक हस्तक्षेपों के प्रभावों का समीक्षात्मक विश्लेषण कर सकेंगें।
- भारतीय शिक्षा की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने हेतु अपेक्षित समीक्षात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगें।
- तुलानात्मक शिक्षा की भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिता का अवबोध कर सकेंगें।

**पाठ्य—वस्तु (Content)** **75 अंक**

**इकाई - १ :तुलनात्मक शिक्षा**- आवधारणा- आवश्यकता, महत्त्व, विधियां, क्षेत्र, बाह्य-अन्तः शैक्षिक विश्लेषण। लोकतंत्र एवं राष्ट्रीयता की अवधारणा के आलोक में विभिन्न देशों की शिक्षा-प्रणालियाँ।तुलनात्मक शिक्षा के कारक एवं उपागम- भौगोलिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, समाजशास्त्रीय, दार्शनिक, भाषा, वैज्ञानिक, ऐतिहासिक, पारिस्थितिक, संरचनात्मक एवं कार्यात्मक।

**इकाई २ : विभिन्न देशों की शिक्षा पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन**- प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च एवं शिक्षक शिक्षा-(अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया एवं भारत के सन्दर्भ में)- स्वरूप, उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम।

**इकाई ३ :वैश्विक शिक्षा संदर्भ में आधुनिक प्रवृत्तियाँ**- राष्ट्रीय एवं वैश्विक। विभिन्न देशों के लोगों के शैक्षिक समुन्नयन में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका।विकासशील देशों का अध्ययन (विशेषतया भारत के सन्दर्भ में)- समस्यायें उनके कारक एवं शैक्षिक समाधान।

**इकाई ४ : शिक्षा की विभिन्न प्रणालियों का तुलनात्मक अध्ययन ( ब्रिटेन, अमेरिका,फिनलैण्ड सिंगापुर एवं भारत के सन्दर्भ में )**-परीक्षा प्रणाली, शैक्षिक प्रबन्धन प्रणाली, मूल्यपरक शिक्षा, व्यवसायिक शिक्षा एवं दूरवर्ती शिक्षा।

**इकाई ५ : तुलनात्मक शिक्षा की भारतीय परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता**-अमेरिका, ब्रिटेनफिनलैण्ड सिंगापुर की शिक्षा व्यवस्था की विशेषतायें एवं भारतीय शिक्षा व्यवस्था में उनके समावेश की संभावनायें।

**सत्रीय कार्य** :-निम्नलिखित में से कोई दो **25 अंक**

1. भारतीय शिक्षा में शिक्षण-अधिगम, परीक्षा, मूल्यांकन, कार्यक्रम निर्धारण, शिक्षक - छात्र सम्बन्ध आदि में से चयनित किन्ही दो बिन्दुओं पर समीक्षात्मक लेख प्रस्तुत करना।
2. ब्रिटेन, अमेरिका एवं आस्ट्रेलिया की शिक्षा व्यवस्था में सर्दर्भित मुख्य शैक्षिक समस्याओं का तुलनात्मक विश्लेषण परिचर्चा के माध्यम से।
3. कतिपय चयनित शैक्षिक मुद्दों पर सुधार हेतु विचारावेश सत्र आयोजित करना।
4. अमेरिका, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन एवं भारत की शिक्षा पद्धति के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित दत्त कार्य।

**अध्येय ग्रन्थ—**


पाण्डेय के.पी. (1995) तुलनात्मक शिक्षा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक वाराणसी, उ.प्र.।

चौबे, सरयूप्रसाद, (1994) तुलनात्मक शिक्षा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा,उ.प्र.।

जायसवाल, सीताराम, (1970)तुलनात्मक शिक्षा, हिन्दी समिति सूचना विभाग, उ.प्र.।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय, (2012) पाठ्यचर्चा, निर्देशन एवं तुलनात्मक शिक्षा का आधार, कनिष्का प्रकाशन,नई दिल्ली।

Pathak R.P., (2006) Global Trends & Development of Education in Modern India Atlantic Publishers, New Delhi.

Pathak R.P.,(2009) Education in the Emerging India, Atlantic Publishers &Distributors, New Delhi.

**शर्मा आर.ए.(2000) तुलनात्मक शिक्षा, आर लाल बुक डिपो, मेरठ।**

मिश्रा, बी.एस.(1990) तुलनात्मक शिक्षा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी। .

Pathak R.P.,and Sharma Sanjay(2021) Education in Contemporary India, Kanishka Publishers, New Delhi.


**अन्तर्जाल स्त्रोत**- इस विषय से सम्बन्धित किशोरमञ्च, मूक्स् स्वयंप्रभा आदि में संप्रेषित कार्यक्रम।

# प्रश्नपत्र -13 - V भाषा शिक्षा

## (Language Education)

कोर्स कोड = 263(v) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक= 100

## कोर्स अधिगम परिणाम(CourseLearning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- भाषा शिक्षण एवं अधिगम की परिस्थितियों को अधिगमकर्त्ता की आवश्यता के अनुरूप अभिकल्पित करने की दक्षता विकसित कर सकेंगें।
- भाषा शिक्षण के विशेषज्ञ प्रशिक्षक के रूप में तैयारहो सकेंगें।
- भाषा की प्रकृति एवं अधिगमकर्त्ता की आवश्यकता के सापेक्ष संगति बनाने वाली युक्तियों का अनुप्रयोग कर सकेंगें।

## पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई १ : भाषा**- भाषाशिक्षण, योजना, प्रकृति, कार्य और निहितार्थ। भाषा विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में भाषा की प्रकृति कार्य विश्लेषण, रचना। ध्वनिविज्ञान, पदविज्ञान एवं वाक्य-विज्ञान प्रमुख सिद्धान्त एवं शिक्षण हेतु अपेक्षित सावधानियाँ। भाषाशिक्षण एवं अधिगम का मनोविज्ञान- भारतीय परम्परा (यास्क, पाणिनि, पतंजलि एवं भर्तृहरि का योगदान)। पाश्चात्यपरम्परा (व्यवहारवादी उपागम, संज्ञानात्मक उपागम, संप्रेषणात्मक उपागम)। मनोभाषिक उपागम : भाषाशिक्षण अधिगम के मनोविज्ञान का सिद्धान्त।

**इकाई २ : भाषाशिक्षण और अधिगम का शिक्षाशास्त्र** -भाषाशिक्षण (प्रथमभाषा एवं द्वितीयभाषा)- उद्देश्य, संरचना, सामग्रीनिर्माण, मूल्यांकन, प्रभावित करने वाले कारक। भाषा पाठ्यचर्या एवं पाठ्यक्रम विकास-आयाम, प्रभावित करने वाले कारक, मूल्यांकन। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चस्तरीय भाषायी कौशलों का विकास। भाषा अधिगम में वैयक्तिकरण- आवश्यकता, प्रविधियां, कक्षागतकार्य और सत्रीयकार्य।

**इकाई ३: भाषाशिक्षण में अनुसंधान**- पठन एवं लेखन अनुसंधान, निर्देशन ओर प्राथमिकतायें।

सन्दर्भगत समस्यायें भारत का बहुभाषीय सन्दर्भ, संवैधानिक प्रावधान, राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 और राष्ट्रीय विद्यालय पाठ्यचर्या 2005 की संस्तुतियां।

**इकाई ४ : पाठ्यचर्याविकास 'भारत के बहुभाषीय सन्दर्भ में'**-केन्द्रिकतत्त्व, प्रविधियां, मूल्यांकन।भाषा अध्यापकों को तैयार करना-पूर्वसेवाशिक्षा, सेवारत शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास।भाषाशिक्षण भाषासाक्षरता-प्रकृति, अन्तर, अन्तः सम्बन्ध, शिक्षण और मूल्यांकन की प्रविधियां।आवश्यकता आधारित पठन व लेखन कार्यक्रम।भाषाशिक्षा में सृजनात्मकता और इसको विकसित करने की प्रविधियां।

**इकाई ५ : भाषा विकास में संलग्न विभिन्न संस्थाओं की भूमिका**-भाषा विकास में संलग्न संस्थाएं -विश्वविद्यालय एवं संस्थान, भाषा प्रचार में सर्वकारीय संगठनों का अवदान, नई दिल्ली, केन्द्रिय संस्कृत

विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केन्द्रीय भाषा संस्थान मैसूर, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद।भाषा शिक्षानीति के कार्यान्वयन में आगत समस्यायें एवं उनके समाधान के उपाय-राष्ट्रीय, राज्य, जनपद एवं स्थानीय स्तर पर। **25 अंक**

**सत्रीय कार्य** :निम्नलिखित में से कोई दो

1. भाषायी कौशलों को अधिगमकर्त्ताओं की आवश्कताओं के अनुरूप विकसित करने हेतु भाषा प्रयोगशाला आधारित अभ्यास कराना।
2. भाषा शिक्षण में गुणवत्ता के आयाम को विकसित करने हेतु परिचर्चा आयोजित करना।
3. प्रभावी भाषा कौशल विकास की विशिष्ट अभ्यासमालायें अभिकल्पित करना एतदर्थ- उच्चारण, वाचन, लेखन अथवा परीक्षण से सम्बन्धित अभ्यास हेतु किन्ही दो का चयन किया जा सकता है।

**अध्येय ग्रन्थ–**

द्विवेदी, कपिल देव,(2003)भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र,विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र।

तिवारी, भोलानाथ, (2002)भाषा विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद,उ.प्र।

पाठक, आर.पी.(2010) भाषा शिक्षण, कनिष्का प्रकाशन,नई दिल्ली।

पाठक, आर.पी. एवं भारद्वाज, अमिता पाण्डेय (2012) शिक्षा में अनुसंधान एवं सांख्यिकी, कनिष्का प्रकाशन,नई दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986,1992 का प्रतिवेदन, भारत सरकार, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, 2009 एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

राष्ट्रीय शिक्षानीति-2020 शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।

**अन्तर्जाल स्रोत**- इस विषय से सम्बन्धित किशोरमञ्च, मूक्स् स्वयंप्रभा आदि में संप्रेषित कार्यक्रम।

# प्रश्नपत्र -13 - VI मानवाधिकार शिक्षा
## (Human Rights Education)

कोर्स कोड = 263 (vi) कुल क्रेडिटस = 04
क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक= 100

## अभीष्ट अधिगम परिणाम(Intended Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- मानवाधिकार शिक्षा की अवधारणा, आवश्यकता एवं महत्त्व से परिचित हो सकेंगें।
- भारत में मानवाधिकारों के विकास तथा संविधान में वर्णित अधिकारों का अवबोध विकसित कर सकेंगें।
- मानवाधिकार शिक्षण की विभिन्न विधियों से परिचित कराकर उनके प्रयोग में सक्षमता विकसित कर सकेंगें।
- मानवाधिकार शिक्षा में विभिन्न संस्थाओं तथा संसाधनों की भूमिका का अवबोध विकसित कर सकेंगें।

## पाठ्य—वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई १ : मानवाधिकार शिक्षा** -मानवाधिकार- भारतीय तथा पाश्चात्य सन्दर्भ में अवधारणा, मानवाधिकार शिक्षा की अवधारणा, आवश्यकता, उद्देश्य तथा महत्त्व। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार अवधारणा का विकास।मानवाधिकार सार्वभौमिक घोषणा पत्र में वर्णित अधिकार -(समानता, शिक्षा, जीवन, स्वतन्त्रता, सम्मान, आर्थिक, राजनैतिक तथा सामाजिक।प्रमुख मानवाधिकार सम्मेलनों (Conventions) यथा-बाल अधिकार सम्मेलन (CRC,1989) तथा महिलाओं के विरूद्ध भेदभाव निस्तारण सम्मेलन (CEDAW,1979)का संक्षिप्त परिचय तथा उनके द्वारा मानवाधिकार संरक्षण हेतु किये गये प्रयास।

**इकाई २ : भारत में मानवाधिकार**- भारत में मानवाधिकारों का विकास एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। संविधान में वर्णित मूलभूत अधिकार , नीति निर्देशक तत्त्व एवं कर्त्तव्य।

**इकाई ३ : मानवाधिकार तथाविशिष्ट वर्ग** -बालकों के शोषण के विरुद्ध अधिकार, महिलाओं, अल्पसंख्यकों तथा सुविधा वंचित वर्गो के अधिकार।

**इकाई ४ :मानवाधिकार शिक्षण की विधियाँ** - भूमिका निर्वाह, व्यक्तिवृत्त अध्ययन, वाद-विवाद, मस्तिष्क मंथन एवं मूल्य स्पष्टीकरण विधियाँ।

**इकाई ५ : मानवाधिकार संरक्षण हेतु कार्यरत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीयसंस्थाएं एवंसंसाधन**- राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय मानवाधिकार आयोग, महिला एवं बाल अधिकार आयोग,स्वयंसेवी संस्थाएँ, एवं यू.एन.ओ., का परिचय एवं कार्यप्रणाली। **संसाधन**- जनसंचार के माध्यम तथा इन्टरनेट आदि।

**सत्रीय कार्य**-निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1. अल्पसंख्यकों, महिलाओं तथा सुविधावंचित वर्गों के अधिकारों में से किन्हीं एक पर परिचर्चा।

2. मानवाधिकार से आहत संवर्गों को दृष्टिगत रखते हुए व्यष्टि अध्ययन करना।

3. मानवाधिकार शिक्षण विधियों पर आधारित प्रायोगिक कार्य।

4. मानवाधिकार के प्रति जागरूकता विकसित करने हेतु संगोष्ठी का आयोजन करना।

5. मानवाधिकार शिक्षा में जनसंचार के माध्यमों की भूमिका आधारित दत्त कार्य।

अध्येय ग्रन्थ–


जयश्री, (2008) मूल्य, पर्यावरण और मानवाधिकार की शिक्षा, दिल्ली, शिप्रा पब्लिकेशन।

शर्मा एवं माहेश्वरी (2005) मूल्य,पर्यावरण और मानवाधिकार की शिक्षा,आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।

Sharma A.D.,(2007)Lahiry D., Human Rights Education in Indian Schools, Academic Excellence Publication, Delhi,

Waghmare B.S. (2001) Human Rights : Problems and Prospects, Kalinga Publication, Delhi ,

Selby David , (1998) Human Rights, Cambridge University Press,

Dhand, H, (2002) Teaching Human Rights: A Hand book for Teacher Educators, Authorspress. Bhopal,

Justice M. (1998) Rama Jois, Human Rights and Indian values, NCTE, New Delhi.

Naseema C., (2002) Human Rights Education, Kanishka Publishers,New Delhi.


**अन्तर्जाल स्त्रोत**- इस विषय से सम्बन्धित किशोरमञ्च, मूक्स् स्वयंप्रभा आदि में संप्रेषित कार्यक्रम।

# प्रश्नपत्र -13 - VII दूरवर्ती शिक्षा

## (Distance Education)

कोर्स कोड = 263 (vii) कुल क्रेडिट्स = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक= 100

## कोर्स अधिगम परिणाम(Course Learning Outcomes)

इस कोर्स के अध्ययनोपरान्त विद्यार्थी:-

- दूरस्थ शिक्षा की प्रकृति और आवश्यकता से परिचित हो सकेंगें।
- सूचना प्रौद्योगिकी, संचार प्रकारों एवं शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में उनके उपयोग से अवगत हो सकेंगें।
- छात्र सहायता सेवाओं के विविध प्रकारों की जानकारी तथा दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से इन सेवाओं के विविध कार्यक्रमों के प्रबन्ध कौशल की योग्यता विकसित कर सकेंगें।
- दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों के मूल्यांकन के गुण और स्तर बढ़ाने की योग्यता विकसित कर सकेंगें।

पाठ्य–वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई - १ : दूरवर्ती शिक्षा और इसका विकास**- अवधारणा, शिक्षण-अधिगम तत्त्व, आवश्यकता, विशेषतायें, विकास। भारत में दूरस्थ शिक्षण-अधिगम पद्धति।छात्र सहायता सेवायें, दूरस्थ शिक्षा द्वारा तकनीकी एवं व्यावसायिक कार्यक्रम, महिलाओं के लिए कार्यक्रम, दूरस्थ शिक्षा और ग्रामीण विकास।

**इकाई - २ : दूरवर्ती हस्तक्षेपों से सम्बन्धित रणनीतीयाँ**- सूचना और संचार प्रद्योगिकी एवं उनका निहितार्थ। स्वनिर्देशित सामग्री और अभिकल्प का निर्माण। शिक्षा में इलेक्ट्रानिक माध्यम व दूरस्थ शिक्षा। दूरवर्ती शिक्षा आनलाइन साधन-मूक(MOOC), स्वयंप्रभा किशोर मंच, अर्पित

**इकाई - ३ : गुणात्मकता उन्नयन एवं कार्यक्रम मूल्यांकन**- दूरस्थ शिक्षा की गुणवत्ता, आश्वासन, प्रतिश्रुत दूरस्थशिक्षा के निर्माण मानक, यान्त्रिक निर्माणस्तर। कार्यक्रम मूल्यांकन।

**इकाई - ४ : दूरवर्ती शिक्षा में लागत विश्लेषण**- सम्प्रत्यय, आवश्यकता, प्रक्रिया। दूरस्थ शिक्षा में नये आयाम, भविष्य के लिये आश्वासन।

**इकाई - ५ : दूरवर्ती शिक्षा एवं औपचारिक आवासीय शिक्षा में सम्बन्ध**- अवधारणाएं एवं भारतीय संदर्भ में समस्याएँ। दूरस्थ शिक्षा में शोध-दूरस्थ शिक्षा से सम्बन्धित भारतीय सन्दर्भ में शोध के मुख्यबिन्दु, गुणवत्ता की दृष्टि से उनके निहितार्थ।

**सत्रीय कार्य**-निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1. दूरस्थ शिक्षा में प्रविष्ट छात्रों की समस्याओं का व्यष्टि अध्ययन।
2. दूरस्थ शिक्षा के आयोजन स्तर पर केन्द्रित समस्याओं पर संगोष्ठी आयोजित करना।
3. दूरस्थ शिक्षा में गुणवत्ता के आयाम विकसित करने की दृष्टि से सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के उपयोग विषय पर कार्यशाला आयोजित करना।

अध्येय ग्रन्थ–

पाठक, आर.पी.,(2010) दूरस्थ शिक्षा के विविध आयाम, पियर्सन एजुकेशन, नई दिल्ली।

पाण्डेय, लता (1995) दूरवर्ती शिक्षा, विश्वविद्याल प्रकाशन, वाराणसी, उ.प्र.।

Reddy, G. Ram.(1984) Open Education System in India. Its Place and Potential. APOU, Hyderabad

Sharma, R.A. (1994) : Distance Education: Theory, Practice and Research, LBD, Meerut (U.P)

Keegan,D.J., (1985)The Foundation of Distance Education, London, Groom Helm.

Sharma, Madhulika, (1990)Distance Education, Concepts and Principles, kaniksha Publishers, Ansari Road, DaryaGanj, New Delhi.

पाठक, रमेश प्रसाद (2021) दूरस्थ शिक्षा का इतिहास और विकास हिन्दी माध्यम क्रियान्वयन प्रकाशन, दिल्ली विश्वविद्यालय।

**अन्तर्जाल स्त्रोत**- इस विषय से सम्बन्धित किशोरमञ्च, मूक्स्, स्वयंप्रभा आदि में संप्रेषित कार्यक्रम।

# प्रश्नपत्र - 13 - VIII योग शिक्षा

## (Yoga Education)

कोर्स कोड = 262 (viii) कुल क्रेडिटस = 04

क्रियान्वयन घण्टे = 04 घण्टे/सप्ताह कुल अंक = 100

## अभीष्ट अधिगम परिणाम (Intended Learning Outcomes)

- योगदर्शन के तत्त्वमीमांसकीय आधारों से परिचित कराना।
- शारीरिक एवं मानसिक समन्वय द्वारा आध्यात्मिक उपलब्धि में योग की प्रासंगिकता का ज्ञान कराना।
- बहु आयामी व्यक्तित्व के निर्माण में योग का सामाजिक-मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट करना।
- योग की वैज्ञानिकता एवं उपशामक क्षमता का परिज्ञान कराना।

## पाठ्य—वस्तु (Content) 75 अंक

**इकाई १ :योगशास्त्र की भारतीय अवधारणा** -वेद-उपनिषद् वाड़.मय में योग, पाताञ्जल योग, जैन बोध योग, योग प्रचार की सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाएँ। पुरुष की अवधारणा, ब्रह्मण्ड की वास्तविकता। प्रकृति एवं मौलिक तत्त्व के रूप में। सर्ग की अवधारणा एवं प्रक्रिया। बुद्धि (महत) और अहंकार की अवधारणा, प्रकृति, वैयक्तिक मौलिक तत्त्व के रूप में। अहंकार एवं गुणत्रय- मन, कर्मेन्द्रियाँ और तन्मात्राएँ-ज्ञान की प्रकृति और प्राप्त करने की प्रक्रिया-प्राणायाम। योग का दर्शन, वैयक्तिक एवं सामाजिक अन्वय में संबन्ध- योग की अवधारणा, स्वस्थ और एकीकृत जीवन-यापन हेतु योग, मानव के सामाजिक-नैतिक उन्नयन हेतु योग। आध्यात्मिक विकास और जागरूकता हेतु योग पुरुष ।

**इकाई २ : योगत्रय की अवधारणा**- भगवद्गीता ज्ञान, भक्ति और कर्म योग का स्वरूप।

**इकाई ३ : योग साधना के संदर्भ में**- यम-नियम-आसन-प्राणायाम-प्रत्याहार-धारणा-ध्यान और समाधि।

**इकाई ४ : योग का वैज्ञानिक आधार**- योग और मानसिक स्वास्थ्य। योग और मनोविज्ञान। योग द्वारा उपशमन (उपचार), विभिन्न आसनों और उनके प्रभाव से शरीर और मन को स्वस्थ रखना।

**इकाई ५ : योग अनुसंधान, एवं सुस्थिर जीवन शैली**- योगशिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान की आवश्यकता, अनुसंधान के क्षेत्र अन्तर्विद्यापरक शोध की योगशिक्षा के क्षेत्र में प्रासंगिकता। **NPE- 2020** के विशेष सन्दर्भ में । सुस्थिर जीवन शैली हेतु योग की उपयोगिता।

**सत्रीय कार्य**- निम्नलिखित में से कोई दो- **25 अंक**

1. अष्टांग योग पद्धति की प्रांसगिकता पर आधारित समूह परिचर्चा।
2. सुस्थिर जीवन शैली जिसमें सफल संमजन एवं तनाव प्रबन्धन सम्मिलित हो को दृष्टिगत रखते हुए विशिष्ट कार्यक्रम अभिकल्पित/प्रस्तवित करना।
3. योग शिक्षा का मानसिक स्वास्थ्य में योगदान पर कार्यशाला आयोजित करना।

४. संस्थाओं के द्वारा आयोजित योगकार्यक्रम में भागग्रहण या किसी योग संस्था का सन्दर्भ।

अध्येय ग्रन्थ–

1. पंतन्जलि योग दर्शन
2. स्वामी अद्वैतानंद - योग विचार
3. शुक्ला डॉ. - योग शिक्षा
4. सिलोडी, महेश प्रसाद (2008) योगामृतम्, मान्यता प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सिलोडी, महेश प्रसाद (2013) योगामृतम् एवं सिद्धान्त अभिषेक प्रकाशन, नई दिल्ली।
1. विश्नोई, उन्नति (2010) योग शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
2. वैद्य, कुमार राजेश एवं कुमार विजय (2008) योग शिक्षा एवं शारीरिक शिक्षा, आर.लाल बुक डिपो, मेरठ,उ.प्र.।
3. पाठक, आर.पी. (2018) सर्वांगयोग शिक्षा, फॉरवर्ड बुक्स नई दिल्ली।
4. पाठक, आर.पी. (2019) अष्टांगयोग शिक्षा, ज्ञानभारती प्रकाशन शक्तिनगर, नई दिल्ली।
5. पाठक, आर.पी. (2019) श्रमद्धभगवतगीता का शिक्षादर्शन, ज्ञानभारती प्रकाशन शक्तिनगर, नई दिल्ली।
6. राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत सरकार नई दिल्ली।

**अन्तर्जाल स्त्रोत–** योगसम्बन्धी मानक जालपुटों का सन्दर्भन।

# लघु शोध प्रबन्ध

## (Dissertation)

कोर्स कोड = 264

कुल क्रेडिटस = 08

कुल अंक = 200

## शिक्षाचार्य के लघुशोध प्रबन्ध हेतु

### (विभागीय समिति का प्रस्ताव)

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षापरिषद् के आदेशानुसार लघुशोध प्रबन्ध का पाठ्यक्रम निरन्तरता के साथ संचालित किया जायेगा जिसमें छात्र– **प्रथम सेमेस्टर** में लघु शोध प्रबन्ध हेतु शीर्षक एवं मार्गदर्शक का चयन करेंगे। **द्वितीय सेमेस्टर** में चयनित विषय से सम्बन्धित साहित्य का सर्वेक्षण, शोध संक्षिप्तिका लेखन एवं प्रस्तुतीकरण करेंगे। **तृतीय सेमेस्टर** में शोध उपकरण निर्माण, प्रतिदर्श चयन एवं शोध सम्बन्धित प्रदत्त संकलन कार्य करेंगे। **चतुर्थ सेमेस्टर** में शोध सम्बन्धित संकलित आधार सामग्री का विश्लेषण एवं निर्वचन कर शोध प्रबन्ध का लेखन कार्य पूर्ण करेंगे जिसे प्रीसबमिशन सेमीनार के रूप में भी प्रस्तुत करना होगा। तदनुसार विभागीय समिति के द्वारा अपेक्षानुसार अनुमोदित किया जायेगा एवं इस पर मूल्यांकन हेतु कारवाई की जायेगी।

**चतुर्थ सेमेस्टर में लघुशोध प्रबन्ध हेतु पाठ्यक्रमीय क्रियाएं**

1. मार्गदर्शक के साथ सम्पर्क कक्षा (Contact Class) प्रतिदिन 2 घण्टे।
2. अपने शोध सम्बन्धित संकलित आधार सामग्री का संगठन एवं विश्लेषण कार्य।
3. लघुशोधप्रबन्ध का प्रस्तावित अध्यायों के रूप में लेखन कार्य।
4. प्रीसबमिशन सेमीनार (Presubmission Seminar) प्रस्तुतीकरण हेतु प्रस्ताव तैयार करना।

**लघुशोध प्रबन्ध हेतु अंक वितरण**

| | |
|---|---|
| पूर्व लघुशोध प्रबन्ध संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण | = 50 अंक(आन्तरिक) |
| लघुशोध प्रबन्ध | = 100 अंक(बाह्य) |
| मौखिकी | = 50 अंक(बाह्य) |

**************************************************************